दैनिक
नवनीत एक्सप्रेस
भोपाल, ग्वालियर, झांसी एवं शिवपुरी से एक साथ प्रकाशित
RNI-MPHIN/2016/71355
राष्ट्रवादी विचार धारा
जय खेड़ापति सरकार
भोपाल, ग्वालियर, शिवपुरी, झाँसी (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश) से एक साथ प्रकाशित
संपादकः महेन्द्र तिवारी
न डरते है न डराते है, सच उजागर करते हैं
वर्ष : 10 अंकः 274 | भोपाल, बुधवार 23 जुलाई 2025 | navneetexpress33@gmail.com | पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रुपया

मंत्रि-परिषद ने सांख्यिकी से समृद्धि के लिए डाटा सुदृढ़ीकरण योजना को दी स्वीकृति

गांधीसागर जल विद्युत गृह की इकाइयों के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण का अनुमोदन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

भोपाल, ब्यूरो।

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अंतर्गत सांख्यिकी संबंधी आंकड़ों का समयावधि में संकलन (डाटा कलेक्शन) एवं विश्लेषण कर विभागों, आमजन एवं योजनाविदों के उपयोग के लिए आंकड़े उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में %%डाटा सुदृढ़ीकरण योजना%% की स्वीकृति प्रदान की गयी। राज्य सरकार इस योजना के माध्यम से ÷सांख्यिकी से समृद्धि÷ की दिशा में एक नई पहल कर रही है। योजना से सरकार को डाटा के आधार पर बेहतर और सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी। साथ ही डाटा और उसका विश्लेषण समय पर मिलने से सरकार बेहतर नीति बना सकेगी। समस्त विभाग बिना किसी रुकावट के डाटा साझा कर सकेंगे, जिससे काम में पारदर्शिता आएगी और कर्मचारियों की कार्यक्षमता में भी वृद्धि होगी। स्वतंत्र शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं को भी डाटा उपलब्ध होगा, जिससे नई योजनाओं का निर्माण आसान होगा। नागरिकों को भी डाटा की जानकारी मिल सकेगी, जिससे शासन अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनेगा। डाटा की उपलब्धता से निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और राज्य में निवेश को बढ़ावा मिलेगा। गांधीसागर जल विद्युत गृह की इकाइयों के नवीनीकरण का अनुमोदन मंत्रि-परिषद द्वारा म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के अंतर्गत संचालित (5×23) मेगावाट गांधीसागर एवं (4×43 मेगावाट) राणाप्रताप सागर जल विद्युत गृह के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण के लिए मध्यप्रदेश ?द्वारा देय

राशि का अनुमोदन प्रदान किया गया। निर्णय अनुसार गांधीसागर जल विद्?युत गृह की पांचों इकाइयों (5×23 मेगावाट) के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण की पुनरीक्षित अनुमानित लागत 464 करोड़ 55 लाख रुपये का अनुमोदन प्रदान किया गया।राणा प्रताप सागर जल विद्युत गृह की चारों इकाइयों (4×43 मेगावाट) के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण की डी.पी.आर. में वर्णित अनुमानित लागत 573 करोड़ 76 लाख रूपये का अनुमोदन प्रदान किया गया।दोनो परियोजनाओं की स्वीकृति परियोजना राशि पर निर्धारित अंशपूँजी को मध्यप्रदेश एवं राजस्थान राज्य द्वारा 50=50 अनुपात पर वित्त विभाग के परामर्श अनुसार मध्यप्रदेश की हिस्से की राशि 127 करोड़ 6 लाख रुपये को वर्षवार प्रदान किये जाने का अनुमोदन किया गया। मशीनरी बदलने के लिए राशि का व्यय होगा। परियोजना अगले 40 साल के लिए उपयोगी हैदोनों प्रदेश कि विद्युत् उत्पादन कंपनियां अपने-अपने राज्य में स्थित परियोजना का क्रियान्वयन करेगी एवं कार्यों की लागत का लेखा-जोखा पारदर्शी रूप से संधारित कर एक दूसरे से साझा करेंगी तथा मौजूदा प्रथा के अनुसार वितीय खातों का तिमाही/वार्षिक मिलान कर समायोजित करेगी।विक्रमोत्सव व्यापार मेला उज्जैन मोटरयान कर में 50 प्रतिशत छूट के निर्णय का अनुसमर्थनमंत्रि-परिषद ने उज्जैन के विक्रमोत्सव व्यापार मेला वर्ष-2025 में ऑटोमोबाइल विक्रय पर मोटरयान कर में 50त्न छूट प्रदान करने का निर्णय लेते हुए परिवहन विभाग की अधिसूचना 14 जनवरी 2025 एवं 9 अप्रैल 2025 का अनुसमर्थन किया गया।निर्णय अनुसार ऐसे समस्त गैर-परिवहन यानों (मोटर साइकिल, मोटर कार, निजी उपयोग के लिए ओमनी बस) तथा हल्के परिवहन यानों को, विक्रय पर जीवनकाल मोटरयान कर की दर में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी, जिनका कि वर्ष 2025 में उज्जैन व्यापार मेला की मेला अवधि के दौरान विक्रय किया जाएगा। छूट केवल विक्रीत वाहनों का क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, उज्जैन से स्थाई पंजीयन कराने पर ही प्रदान की जाएगी।

मध्यप्रदेश स्वच्छता क्षेत्र में निरंतर रहेगा आगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भोपाल की महापौर श्रीमती राय ने की भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को स्वच्छता ट्राफी और प्रशस्ति-पत्र सौंपा

भोपाल, ब्यूरो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मंगलवार की शाम मंत्रालय में भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों ने भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को श्रीमती राय ने राष्ट्रपति द्वारा भोपाल को स्वच्छता क्षेत्र में दिये गये प्रशस्ति पत्र एवं ट्राफी भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि मध्य प्रदेश स्वच्छता के क्षेत्र में निरंतर अग्रणी बना रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महापौर श्रीमती मालती राय सहित नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, श्री रविंद्र यति, श्री राजेश हिंगोरानी और अन्य पदाधिकारी गण को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भोपाल, इंदौर सहित मध्यप्रदेश के अन्य शहरों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 पुरस्कारों से गत सप्ताह सम्मानित किया। भोपाल को 10 लाख से अधिक जनसंख्या की श्रेणी में स्वच्छ शहर का द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से बुधनी नगर निकाय के पदाधिकारी गण ने भी भेंट की और 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में बुधनी के पुरस्कृत होने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों निकायों के पदाधिकारियों को बधाई दी। महापौर श्रीमती मालती राय ने बताया कि स्वच्छता के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए भोपाल नगर के सफाई मित्रों को भी पुरस्कृत किया जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

ईरान के अड़ियल तेवर पर भड़का अमेरिका, ट्रंप ने कहा- जरुरत पड़ी तो करेंगे हमला

वॉशिंगटन एजेंसी। ईरान के अड़ियल तेवरों से अमेरिका काफी खफा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो यहां तक कह

दिया कि ईरान का रवैया नहीं सुधरा और जरुरत पड़ी तो हमला करने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर दावा किया कि ईरान दोबारा परमाणु हथियार बना रहा है और उन्होंने भविष्य में ईरान पर और हमलों की धमकी दी है। अमेरिका पहले ही 21 जून को ईरान के प्रमुख न्यूक्लियर सेंटर्स को अपने सबसे घातक बंकर बर्स्टर बम से निशाना बना चुका है, जिससे ईरान के परमाणु हथियार बनाने की मंशा को तगड़ा झटका लगा था। इसके एक महीने बाद एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को ये धमकी दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि वह अपनी परमाणु सुविधाओं का पुनर्निर्माण न करे, क्योंकि उनके अनुसार हाल ही में हुए अमेरिकी हमलों ने ईरान की साइट्स को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। इसी बीच ईरानी विदेश मंत्री ने एक कार्यक्रम में ये बात कही थी कि फिलहाल परमाणु कार्यक्रम को इसलिए रोका गया है क्योंकि नुकसान बेहद गंभीर है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि संवर्धन कार्यक्रम को नहीं छोड़ सकते क्योंकि यह हमारे अपने वैज्ञानिकों की उपलब्धि है। उन्होंने इसे ईरान के राष्ट्रीय गौरव से जोड़ा। डोनाल्ड ट्रंप का ये बयान तब दिया है, जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने माना कि अमेरिका के जून में किए गए सैन्य हमलों से ईरान की परमाणु सुविधाएं बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं और यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह से रुक गया है। हालांकि इसके साथ ही अराघची ने यह भी कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी, तो ईरान इसे फिर से करेगा।

रूस-यूक्रेन के बीच शांति वार्ता आजः जेलेंस्की और पुतिन के बीच सहमति को लेकर संशय

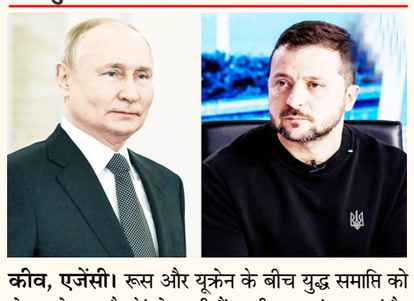

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्ति को लेकर दो बार बैठकें हो चुकी हैं। नतीजा जहां का तहां है। अब तीसरी बार नए दौर की बैठक बुधवार को इस्तांबुल में होने जा रही है। नतीजा क्या होगा ये कोई नहीं जानता। यह वार्ता इस्तांबुल में पहले हुई दो दौर की बैठकों के बाद हो रही है। बता दें कि दोनों ही बैठकों में युद्ध खत्म करने को लेकर कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को अपने संबोधन के दौरान यह जानकारी दी थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि आज मैंने यूक्रेनी सुरक्षा परिषद प्रमुख] रुसतेम उमेरोव के साथ कैदियों की अदला-बदली और रूस के साथ तुर्की में होने वाली आगामी बैठक की तैयारियों को लेकर चर्चा की। उमेरोव ने बताया कि यह बैठक बुधवार को प्रस्तावित है। बता दें इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 50 दिन क अल्टीमेटम दिया था कि यूक्रेन के साथ वो युद्धविराम कर लें।

अतिवर्षा और बाढ़ की स्थिति में पुख्ता सूचना-तंत्र की व्यवस्था हो सुनिश्चित : मुख्यमंत्री

राहत कार्यों और शिविरों के प्रबंधन में सामाजिक संस्थाओं को भी सहभागी बनाएं

राज्य सरकार जनसामान्य की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील

आगामी त्यौहारों में उचित व्यवस्था और आवश्यक सावधानी बरतें

मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि एवं बाढ़ के दृष्टिगत आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की

भोपाल, ब्यूरो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अतिवर्षा और बाढ़ की स्थिति में जान-माल की हानि न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए समय रहते सूचना-तंत्र की पुख्ता व्यवस्था की जाए। राज्य शासन जनसामान्य की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील है। बाढ़ उन्मुख नदियों के लेवल पर लगातार निगरानी रखी जाए, बाढ़ संवेदनशील क्षेत्रों का पूर्व आंकलन कर राहत कैम्प की तैयारी रखें। आवश्यकता होने पर राहत शिविर लगाकर आवास और भोजन उपलब्ध कराया जाए। इन कार्यों में आवश्यकता होने पर सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में अतिवृष्टि एवं बाढ़ के दृष्टिगत आवश्यक तैयारियों की मंत्रालय में समीक्षा कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्षाकाल में आने वाले त्यौहारों में उचित व्यवस्था और आवश्यक सावधानियां बरतना जरूरी हैं। आपदाओं से बचाव के संबंध में सामान्य जानकारियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और जनसामान्य को मॉकड्रिल व आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण में भी शामिल किया जाए। बैठक में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में अब तक 61 प्रतिशत से अधिक वर्षा हुई है। सर्वाधिक वर्षा टीकमगढ़, मंडला, छतरपुर, निवाड़ी और सीधी में दर्ज की गई। आगामी माहों में वर्षा के अनुमान को देखते हुए प्रदेश में बाढ़ और अतिवृष्टि से बचाव के लिए एनडीआरएफ की 2 टीमों को भोपाल में, एक-एक टीम जबलपुर, ग्वालियर और धार में तैनात की गई हैं।

धनखड़ का इस्तीफे पर कांग्रेस का सवाल

स्वास्थ्य कारण नहीं, दोपहर में कुछ हुआ था, कोई और गहरे कारण हैं

नई दिल्ली एजेंसी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि धनखड़ ने सोमवार को दोपहर साढ़े 12 बजे राज्यसभा की कार्य मंत्रणा समिति की अध्यक्षता की थी। उन्होंने मंगलवार को दावा किया कि इस्तीफा देने के पीछे उनके द्वारा बताए गए स्वास्थ्य कारणों के अलावा कोई और अधिक गहरे कारण हैं। कांग्रेस ने कहा कि धनखड़ का इस्तीफा उनके बारे में बहुत कुछ कहता है और साथ ही यह उन लोगों की नीयत पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है जिन्होंने उन्हें उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचाया।

कांग्रेस ने कहा कि सोमवार दोपहर एक बजे से शाम साढ़े चार बजे के बीच कुछ बहुत गंभीर घटित हुआ था। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि धनखड़ मानदंडों, मर्यादाओं एवं नियमों के प्रति बेहद सजग थे और उनका मानना था कि उनके कार्यकाल में इन नियमों की लगातार अवहेलना की जा रही थी। कांग्रेस नेता के इस दावे पर सरकार की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। धनखड़ ने सोमवार रात स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'पर लिखा,जगदीप धनखड़ ने दोपहर साढ़े 12 बजे राज्यसभा की कार्य मंत्रणा समिति की अध्यक्षता की। कुछ चर्चा के बाद, कार्य मंत्रणा समिति ने शाम साढ़े चार बजे पुनः बैठक करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा, शाम साढ़े चार बजे कार्य मंत्रणा समिति जगदीप धनखड़ की अध्यक्षता में पुनः एकत्रित हुई। बैठक में नड्डा और रीजीजू के आने का इंतज़ार हो रहा था। वे नहीं आए।

फडणवीस सरकार पहुंची सुप्रीम कोर्ट

24 जुलाई को सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी।

2006 के मुंबई लोकल ट्रेन सीरियल बम धमाकों में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा 12 आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले को महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस अपील पर सुप्रीम कोर्ट 24 जुलाई को सुनवाई करेगा।

राज्य सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि यह मामला अत्यंत गंभीर और महत्वपूर्ण है। उन्होंने कोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग करते हुए कहा, जज साहब, यह केस राज्य सरकार के लिए काफी अहम है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 24 जुलाई की तारीख तय कर दी।

क्या है मामला?

दरअसल 11 जुलाई 2006 की शाम को मुंबई की लोकल ट्रेनों में मात्र 11 मिनट के भीतर 7 अलग-अलग स्थानों पर बम धमाके हुए थे। इन विस्फोटों में 189 लोगों की मौत और 827 से अधिक लोग घायल हुए थे। यह देश के इतिहास के सबसे भयावह आतंकी हमलों में से एक था।इस केस में नवंबर 2006 में चार्जशीट दाखिल की गई। 2015 में ट्रायल कोर्ट (विशेष टाडा अदालत) ने 12 आरोपियों को दोषी ठहराया था।

बिहार विधानसभा में विपक्ष का हंगामा, काले कपड़े पहनकर पहुंची राबड़ी देवी

सत्तापक्ष का तंज....विपक्ष पर शनिचर ग्रह चल रहा

पटना एजेंसी।

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया, जिसके चलते सदन को 2 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी भी शामिल थीं, काले कपड़े पहनकर सदन में आए थे और उन्होंने एसआईआर (एसआईआर) और अपराध के बढ़ते मामलों को लेकर नीतिश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान सभी विपक्षी सदस्य, जिसमें राबड़ी देवी भी शामिल थीं, ने काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि बिहार में एसआईआर नहीं बल्कि वोटबंदी का अभियान चल रहा है।

दरअसल विपक्ष बिहार में एसआईआर और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर सदन में बहस की मांग कर रहा था। उनकी मांग पूरी न होने पर उन्होंने प्लेकार्ड लेकर हंगामा करना शुरू कर दिया। हंगामे के चलते विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने सदन को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। विधान परिषद की कार्यवाही भी शोर-शराबे के कारण स्थगित करनी पड़ी। वहीं भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के विधायकों ने विपक्ष के काले कपड़े पहनने पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

चंदा कोचर दोषी करार

वीडियोकॉन को लोन के बदले 64 करोड़ की रिश्वत का खुलासा

मुंबई, एजेंसी।

आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर को एक अपीलेट ट्रिब्यूनल ने 64 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने का दोषी पाया है। यह रिश्वत वीडियोकॉन ग्रुप को दिए गए 300 करोड़ रुपए के लोन के बदले में ली गई थी। ट्रिब्यूनल ने इसे क्विड प्रो क्वो यानी कुछ के बदले कुछ का स्पष्ट मामला बताया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार चंदा कोचर ने बैंक की आंतरिक नीतियों और हितों के टकराव के नियमों का उल्लंघन करते हुए यह लोन पास किया। उन्होंने अपने पति दीपक कोचर और वीडियोकॉन समूह के बीच व्यावसायिक रिश्तों को छुपाया, जो बैंकिंग नियमों के खिलाफ है। ट्रिब्यूनल की जांच में पता चला कि आईसीआईसीआई बैंक द्वारा वीडियोकॉन को लोन मंजूर करने के एक दिन बाद ही, वीडियोकॉन की एक सहयोगी कंपनी एसईपीएल से 64 करोड़ रुपए एनआरपीएल को ट्रांसफर किए गए। यह कंपनी कागजों पर वीडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत की थी, लेकिन इसका असली नियंत्रण दीपक कोचर के पास था, जो इसके मैनेजिंग डायरेक्टर भी थे। ट्रिब्यूनल ने वर्ष 2020 में एक अथॉरिटी द्वारा कोचर दंपति की 78 करोड़ की संपत्ति रिलीज किए जाने के आदेश को भी गलत करार दिया। उसने कहा कि उस फैसले में अहम साक्ष्यों की अनदेखी की गई थी। ईडी द्वारा पेश की गई टाइमलाइन और दस्तावेजों को ट्रिब्यूनल ने मजबूत और विश्वसनीय माना है।

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में लैंडस्लाइड, 5 मौतें

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और सोलन में लैंडस्लाइड हुई। रूक्क के कान्हा टाइगर रिजर्व में बाढ़ में बाघ बह गया। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और सोलन में लैंडस्लाइड हुई। रूक्क के कान्हा टाइगर रिजर्व में बाढ़ में बाघ बह गया।जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में सोमवार को बारिश और लैंडस्लाइड से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 5 साल का एक बच्चा भी है। लैंडस्लाइड की अलग-अलग घटनाओं में कई लोग घायल भी हुए हैं।जम्मू के रियासी में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले रास्ते पर भूस्खलन में 70 साल के तीर्थयात्री की मौत हो गई, 9 घायल हो गए। वहीं, हिमाचल के चंबा में घर के ऊपर चट्टान गिरने से नवविवाहित जोड़े की मौत हो गई।

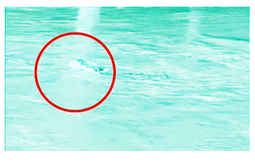

जन सामान्य के आवेदनों का तत्परता से करें निराकरण- कलेक्टर श्रीमती चौहान

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में पहुँचे लोगों की समस्याओं की हुई सुनवाई

अपने कक्ष में भी लोगों को बुलाकर कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सुनीं समस्यायें

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

जन-सुनवाई में जन सामान्य से प्राप्त आवेदनों का निराकरण तत्परता से व समयबद्ध कार्यक्रम के तहत करें। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने मंगलवार को कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में प्राप्त आवेदनों के निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में भी लोगों को बुलाया और एक - एक कर सभी की समस्यायें सुनीं।

मंगलवार को कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में पहुँचे लोगों की समस्याओं की सुनवाई हुई। कलेक्टर श्रीमती चौहान एवं जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने जन सामान्य की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। हर बार की तरह इस बार की जन-सुनवाई में भी जरूरतमंदों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम कराया गया।

साथ ही जमीन संबंधी समस्याओं को जल्द से जल्द निराकृत करने के लिये संबंधित एसडीएम व तहसीलदारों को निर्देशित किया गया। जन-सुनवाई में अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम व एडीएम श्री टी एन सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने भी जन सामान्य की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदन प्राप्त किए।

महिलाओं ने सावन के गीतों पर किया डांस

शिवशक्ति धाम में मना हरियाली उत्सव, पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

निज प्रतिनिधि, ग्वालियर।

मॉडल टाउन वेलफेयर सोसायटी की महिला सभा द्वारा शिवशक्ति धाम, मॉडल टाउन में मंगलवार को हरियाली उत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम संयोजक श्रीमती मधु भार्गव ने बताया कि इस अवसर पर सोसायटी की महिला सदस्यों द्वारा सावन के गीतों पर डांस किया गया तथा मल्हार गाए गए। इसके अलावा पूर्व में आयोजित दीप प्रज्वलन, गणगौर तथा मेहंदी कार्यक्रम के प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। श्रीमती भार्गव ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से समाज में एकजुटता होती है। साथ ही अपनी संस्कृति की जानकारी आने वाली पीढ़ी को प्राप्त होती है। कार्यक्रम में अंत में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संकल्प लिया। इस मौके पर सुनीता यादव, शोभा गुप्ता, नीलम चौहान, कंचन सक्सेना, शशि दुबे, रीना भदौरिया, सुनीता पाराशर, ज्योति शर्मा, अर्चना शर्मा, साधना भार्गव, गीता शर्मा, नीतू बरुआ आदि महिलाएं मौजूद रहीं।

बोरा बेचकर डकार गए 6.41 करोड़, 641 लाख का वारदाना खा गए अफसर

सहकारिता मंत्रालय ने दिए जांच के आदेश

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

ग्वालियर जिले में सहकारी संस्थाओं का एक और बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। आरोप है कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के प्रशासक, समिति प्रबंधक व सेल्समैन ने मिलकर कई सालों में 641 लाख रुपए का बारदाना बेचकर खा गए।शिकायत पर सहकारिता मंत्रालय ने जांच के आदेश दे दिए हैं। पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता की शिकायत में खुलासा हुआ कि जिले की 27 सहकारी समितियों के कर्ताधर्ताओं द्वारा वर्ष 2016-17 से 2021-22 तक गेहूं, धान, सरसों की फसल उपार्जन के लिए भेजे गए बारदाना को वापस न करते हुए 89.39 लाख में बेचकर राशि का बंदरबांट किया गया.उल्लेखनीय है कि राज्य शासन समर्थन मूल्य पर फसलों के उपार्जन से लेकर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण सहकारी संस्थाओं के जरिए करता है।उपार्जन के लिए नागरिक आपूर्ति निगम एवं मार्कफेड द्वारा खाली बारदाना भेजा जाता है, जबकि पीडीएस दुकानों पर बारदाने में भरकर गेंह, चावल भेजे जाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 44 समितियों के कर्ता-धर्ताओं ने वर्ष 2018-19 से 2023-24 तक नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा पीडीएस दुकानों भेजे गए गेहूं, चावल का बारदाना नहीं लौटाया और बारदाना बेचकर 289.50 लाख रुपए का गबन किया. वहीं, 72 समितियों के 72 कर्मचारी, 10 प्रशासकों पर पीडीएस का बारदाना बेचकर 262.68 लाख का गबन करने का आरोप हैं। शिकायतकर्ता का कहना हैं कि नियमानुसार यह बारदाना सहकारी समितियों को वापस लौटाना होता है, लेकिन ग्वालियर की 76 सहकारी समितियों ने बारदाना बेचकर न तो राशि समितियों के खाते में जमा कराई और न ही शासन को लौटाई। इस राशि का बंदरबांट किया गया।2016 से लेकर 2023 तक बारदाना बेचकर समितियों के कर्ताधर्ताओं पर 641.75 लाख रुपए का घोटाला करने का आरोप है। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाए हैं कि बैंक प्रशासक और जिलाधीश द्वारा सहकारिता अधिकारियों को निर्देश देने के बाद भी सहकारिता विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की, जिसकी वजह सहकारिता के घोटाले व गबन में सभी की मिलीभगत होती है।

पूर्व मंत्री का आरोप

शिकायतकर्ता पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता भगवान सिंह यादव ने कहा कि अपेक्स बैंक एवं सहकारिता आयुक्त कार्यालय के अधिकारी भी घोटाले में शामिल हैं।इस वजह से मामले में न कोई कार्रवाई होती है और ही जांच।

मामला ठन्डे बस्ते मे चला गया

शिकायत के बाद सहकारिता विभाग के तत्कालीन अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने ग्वालियर प्रवास के दौरान सहकारी समितियों के कुछ अधिकारियों पर निलंबन की कार्रवाई की।साथ ही जांच के निर्देश दिए लेकिन इसके बाद मामला फिर ठन्डे बस्ते मे चला गया।

एक पेड़ माँ के नाम

नवनीत एक्सप्रेस/हर्षित दुबे

विजयाराजे शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरार में प्राचार्य डॉ ज्योति उपाध्याय के मार्गदर्शन में %एक पेड़ माँ के नाम% अभियान के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा महाविद्यालय परिसर में चार पेड़ लगाए गए। इस अभियान को सार्थक रूप प्रदान करने हेतु मुख्य अतिथि के रूप भाजपा जिलाध्यक्ष श्री जयप्रकाश रजौरिया एवं कार्यकर्त्ता विनोद शर्मा उपस्थित हुए।'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत महाविद्यालय में पाम का पौधा, कदम का पेड़, चंदन एवं चीकू के पेड़ों का रोपण किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष रजौरिया जी ने छात्राओं से कहा कि हर पेड़ हमारी माँ के बराबर है और माँ की रक्षा हमारा नैतिक कर्तव्य है, इसलिए इन पेड़ों की रक्षा की जिम्मेदारी तुम्हारी है। तत्पश्चात प्राचार्य डॉ ज्योति उपाध्याय ने बताया कि पेड़ों से पर्यावरण है और पर्यावरण से हम। सभी छात्राएं संकल्प लें कि अपने अपने घरों के आस पास पेड़ जरूर लगाएंगी। उक्त कार्यक्रम में रासेयो की कार्यक्रम अधिकारी डॉ संगीता सिंह एवं डॉ अर्चना शर्मा एवं इको क्लब प्रभारी डॉ अंजू शर्मा उपस्थित रहीं। साथ ही महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में रासेयो की स्वयं सेविकायें एवं अन्य छात्राएँ उपस्थित रहीं

गुरुदेव गीत ने छू लिया दिल, गुरु पूर्णिमा पर ग्वालियर में हुआ लोकार्पण

नवनीत एक्सप्रेस/हर्षित दुबे
मो.8349598624

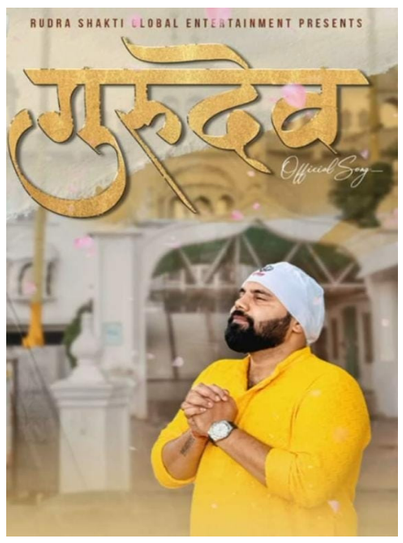

गुरु की महिमा और उनके आध्यात्मिक योगदान को समर्पित भक्ति गीत ÷गुरुदेव÷ का लोकार्पण गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर ग्वालियर में किया गया। यह गीत एक ऐसे संत को समर्पित है जिन्होंने समाज को आध्यात्मिक दिशा प्रदान की।गीत को लिखा है युवा और उभरते हुए लेखक सक्षम पंडित ने, जबकि इसे अपनी भावपूर्ण आवाज़ में गाया है एश शर्मा ने गाने की शूटिंग और रिकॉर्डिंग पूरी तरह ग्वालियर में ही संपन्न हुई।गीत ÷गुरुदेव÷ में गुरु की करुणा, ज्ञान और मार्गदर्शन का गूढ़ वर्णन है, जो हर शिष्य के हृदय को स्पर्श करता है। इसकी भावनात्मक गहराई और संगीतमय प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया है।एश शर्मा ने इस अवसर पर कहा, ÷यह गाना सिर्फ एक संगीत नहीं, बल्कि एक श्रद्धा है उन संत के लिए जिन्होंने लोगों के जीवन को बदला।÷ वहीं लेखक सक्षम पंडित ने कहा, ÷'गुरुदेव' मेरे मन की वो आवाज़ है जिसे मैंने शब्दों का रूप दिया। ये गीत हर उस व्यक्ति के लिए है जो अपने गुरु को दिल से मानता है।गाना अब यूट्यूब व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है और कुछ ही समय में इसे बड़ी संख्या में लोगों द्वारा देखा और पसंद किया जा रहा है।इन कालाकारों द्वारा पहले भी एक गाना निकाला गया था उस गाने का नाम मेरे भोले है जो वर्तमान में यूट्यूब पर ट्रेंडिंग सोंग बन लाखों ब्यूज प्राप्त कर चुका और इंस्ट्राग्राम पर इस गाने पर 32द्य हजार रिल्स बन चुकी हैं जिसके ब्यूर्स मिलीयसं में पहुंच चुके और इनके और भी गाने यूट्यूब पर लॉच हो चुके जिनके ब्यूर्स लाखों में गये हैं जैसे भोलेनाथा,महाकाल के पुजारी,नमो गजानन, और इस सावन भोले बाबा के पवित्र महीने में भोले बाबा के भक्तों के लिये एक और नया गाना निकाला है जिसका नाम निलकंठ महादेवा है और भी भविष्य में इनके गाने आने वाले हैं

जैन मिलन महिला शाखा फालका बाजार द्वारा तीर्थ यात्रा एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

जैन मिलन महिला शाखा, फालका बाजार, ग्वालियर द्वारा दिनांक 21 जुलाई 2025 को श्री 1008 शांतिनाथ जिनालय (लाल मंदिर) से सोनागिर जी तीर्थ की बस यात्रा आयोजित की गई। इस अवसर पर श्रावण कृष्ण दशमी व भगवान कुन्थुनाथ के गर्भ कल्याणक महोत्सव पर सभी बहनों ने पूजन, आरती व दर्शन किए। डबरा में विनय सागर महाराज जी की कलश स्थापना में भी सहभागिता की गई। धार्मिक यात्रा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण हेतु 20 से 25 पौधों का वृक्षारोपण भी किया गया।

कार्यक्रम में वीरांगना रेखा जैन, वीर पारस जैन , एवं वीरांगना उषा जैन शैफाली जैन एंव इन्दु जैन आदि का विशेष सहयोग रहा।

मेयर इन काउंसिल की बैठक आयोजित, लिए गए अनेक निर्णय

निज प्रतिनिधि, ग्वालियर।

मेयर इन काउंसिल की बैठक महापौर डॉ.शोभा सतीश सिंह सिकरवार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में शहर विकास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर स्वीकृति प्रदान की गई।

बाल भवन स्थित टीएलसी में आयोजित बैठक में मेयर इन काउंसिल सदस्य श्री अवधेश कौरव, श्री नाथूराम ठेकेदार, श्री विनोद यादव माठू, श्री शकील मंसूरी, श्रीमती गायत्री सुधीर मंडेलिया, श्रीमती संध्या सोनू कुशवाह, श्रीमती उपासना संजय यादव, श्रीमती मोनिका मनीष शर्मा, श्रीमती लक्ष्मी सुरेश गुर्जर, श्रीमती प्रेमलता धर्मेन्द्र जैन, नगर निगम आयुक्त श्री संघप्रिय, अपर आयुक्त श्री मुकेश सिंह सिकरवार, श्री अनिल दुबे, अपर आयुक्त वित्त श्रीमती रजनी शुक्ला सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में श्री पवन सिंघल, सहायक यंत्री कार्यपालन यंत्री पी.आई.यू. एवं श्री सुरेश अहिरवार, सहायक यंत्री कार्यरत कार्यपालन यंत्री, पूर्व विधानसभा को चेतकपुरी चौराहा से स्वर्णरेखा तक वाया माधवनगर गेट और बसंत बिहार रोड, स्ट्रॉम वाटर लाईन निर्माण कार्य के पर्यवेक्षण में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित किये जाने के सम्बन्ध में प्राप्त निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत पूर्ण जांच के साथ प्रस्ताव को पुनः प्रस्तुत करने हेतु वापिस किया गया। इसके साथ ही आउटसोर्स के माध्यम से 12 नवीन सुरक्षागार्ड (07 कुशल एवं 05 अकुशल) अनुबन्धित एजेंसी से प्राप्त किये जाने की स्वीकृति के संबंध में प्राप्त निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत स्वीकृति प्रदान की गई।

इसके साथ ही इंटक मैदान हजीरा स्थित चौपाटी की दुकानों की ई-निविदा जारी कर ऑफर आमंत्रण एवं आबंटन की स्वीकृति बावत् निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही चिड़ियाघर परिसर में कैन्टीन का ठेका तीन वर्ष हेतु देने की स्वीकृति बावत् निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत स्पश्ट प्रस्ताव के साथ पुनः प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए प्रस्ताव वापिस किया गया। इसके साथ ही ग्वालियर नगर निगम सीमा में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अन्तर्गत क्लस्टर आधारित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लान्ट के निर्माण की स्वीकृत परियोजना अन्तर्गत प्रशासकीय एवं निविदा आमंत्रण की स्वीकृति बावत् निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत स्वीकृति प्रदान की गई।साथ ही निगम कार्यालय क्षेत्रीय निगम कार्यालय क्रमांक 03 लूट पुरा का नाम परिवर्तित कर इन्दिरा नगर किये जाने बावत् निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत प्रस्ताव अनुमोदन के साथ परिषद की ओर अग्रेषित किया गया।इसके साथ ही अतिरिक्त बिंदुओं पर चर्चा करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में सम्पत्तिकर में 6 प्रतिशत छूट की अवधि तीन माह बढाये जाने को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में पूर्व सांसद कै. श्री प्रभात झा के नाम से गोले का मंदिर से 7 नम्बर चौराहा तक सड़क का नाम प्रभात झा मार्ग रखे जाने के प्रस्ताव को अनुशंसा के साथ परिषद की ओर अग्रेशित किया गया। साथ ही हनुमान टॉकीज से गुडा तिराहे तक का मार्ग पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नाम से किए जाने के प्रस्ताव को अनुशंसा के साथ परिषद की ओर अग्रेशित किया गया। साथ ही चेतकपुरी चौराहे से विक्की फैक्ट्री तक मार्ग का नाम धनसिंह कोतवाल के नाम से करने के प्रस्ताव को अनुशंसा के साथ परिषद की ओर अग्रेशित किया गया।इसके साथ ही गोले का मंदिर चौराहा से पिंटो पार्क तिराहे तक मार्ग का नाम पूर्व प्रधानमंत्री श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह के नाम से, भिंड रोड़ से डी.डी नगर सिंथिया जी प्रतिमा तक मार्ग का नाम पूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर के नाम से, यूनीपेच फैक्ट्री से सिंथिया स्टैच्यू तक पटरी रोड़ का नाम श्री भीष्म पितामाह के नाम से, चंद्रवदनी नाका चौराहे से संगीत विश्वविद्यालय के सेतु तक मार्ग का नाम राजा मानसिंह तोमर के नाम से, रॉक्सी पुल से लक्कड़खाना पुल तक मार्ग का नाम पूर्व महापौर श्री पूरन सिंह पलैया जी के नाम से, वेस्ट टू वंडर पार्क का नाम राजीव गांधी वेस्ट टू वंडर पार्क के नाम से, नवनिर्मित कन्वेशन सेंटर का नाम पूर्व प्रधानमंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री के नाम से रखे जाने तथा उनकी वष्ठ प्रतिमा लगाये जाने का प्रस्ताव, कन्वेंशन सेंटर के पीछे पार्क, नर्सरी का नाम पूर्व महापौर डॉ श्री रघुनाथ राव पापरीकर के नाम से, चेतकपुरी चौराहा से मांडरे की माता तक मार्ग का नाम श्रीमंत माधवराव सिंधिया के नाम से किए जाने हेतु मेयर इन कांउसिल की अनुशंसा के साथ परिषद की ओर अग्रेशित किए गए।

विद्यालय तक पहुंचना बना चुनौती

कीचड़भरे रास्ते से गिरते-पड़ते पहुंच रहे बच्चे

गोपालपुर गांव की तस्वीर, पंचायत की अनदेखी से ग्रामीणों में आक्रोश

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस

विजयपुर, 22 जुलाई। क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोपालपुर से एक बेहद चिंता जनक तस्वीर सामने आई है। यहां स्थित प्राथमिक विद्यालय तक पहुंचने का मार्ग बारिश के दिनों में कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे विद्यालय आने वाले नौनिहालों के लिए हर दिन जोखिम भरा साबित हो रहा है। स्कूल जाने के दौरान कई बार बच्चे फिसलकर गिर जाते हैं, जिससे न केवल चोट लगने का खतरा बना रहता है बल्कि उनके कपड़े और किताबें भी खराब हो जाती हैं। स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या कई वर्षों से बनी हुई है, लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। बारिश के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस संबंध में सरपंच और पंचायत सचिव से कई बार शिकायत की गई, मगर अब तक कोई समाधान नहीं किया गया है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने बताया कि हमने कई बार पंचायत को इस समस्या से अवगत कराया है। बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से यह मार्ग जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाना चाहिए, लेकिन पंचायत द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। अब सवाल यह है कि आखिर कब तक ये मासूम बच्चे कीचड़ से सने रास्ते से गिरते-पड़ते स्कूल जाएंगे? क्या पंचायत और प्रशासन मिलकर इस मूलभूत समस्या का स्थायी समाधान निकाल पाएंगे, या फिर गोपालपुर के बच्चे इसी तरह जोखिम उठाते रहेंगे।

इनका कहना है...

हमें यह समस्या संज्ञान में आई है। हम शीघ्र ही विद्यालय का निरीक्षण करेंगे और ग्राम पंचायत के समन्वय से समाधान की दिशा में कार्य करेंगे। बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बीईओ विजयपुर

मुझे आपके द्वारा जानकारी प्राप्त हुई है। मैं दिखवाता हूँ और जल्दी ही बच्चे के स्कूल जाने का रास्ता सही करा दिया जावेगा।

अभिषेक मिश्रा
एसडीएम विजयपुर

सड़क नहीं बनने से नाराज़ ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

श्योपुर-कोटा हाईवे 2 घंटे रहा प्रभावित, एसडीएम के आश्वासन पर खोला

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस

श्योपुर, 22 जुलाई। श्योपुर में प्रेमसर से बिट्टलपुर गांव तक सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने मंगलवार को श्योपुर-कोटा हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। सुबह 10.30 बजे शुरु हुआ यह जाम करीब दो घंटे तक चला।

बिट्टलपुर गांव के ग्रामीणों के अनुसार प्रेमसर से गांव तक की सड़क वर्षों से खराब है। बरसात में यह रास्ता कीचड़ में बदल जाता है। इससे स्कूली बच्चों, मरीजों और किसानों को परेशानियां होती हैं। ग्रामीणों ने कई बार नेताओं और प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला। चक्काजाम के दौरान दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। देहात थाना पुलिस और एसडीएम बीएस श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे। एसडीएम ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वर्तमान में सड़क की मरम्मत करा दी जाएगी। साथ ही पीएम जीएसवाई के अधिकारियों से बात कर प्रस्ताव बनवाकर भेजा जाएगा। एसडीएम के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम खोल दिया और यातायात सामान्य हो गया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू नहीं होने तक वे इस तरह के आंदोलन जारी रखेंगे। आक्रोशित ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू नहीं होती, तब तक वे इस तरह के आंदोलन जारी रखेंगे। मौके पर देहात थाना पुलिस और एसडीएम बी एस श्रीवास्तव ने पहुंचकर ग्रामीणों से बात की और उन्हें समझाइश देते हुए बताया की वर्तमान में सड़क पर मरम्मत करवा देंगे और जल्दी ही पीएमजीएसवाई के अधिकारियो से बात करके प्रस्ताव बनवाकर भेजा जाएगा इसके बाद ग्रामीण जाम हटाने कों राजी हुए करीब दो घंटे बाद चक्काजाम हटाया गया और यातायात सामान्य हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि देश आजाद हो गया है परंतु श्योपुर जिले के कई गांव ऐसे है जहां आज भी पक्की सड़क नहीं है। ये प्रशासन की बड़ी लापरवाही है.नेता दिखावे के बह केवल फोटो सेशन में मस्त रहते है। ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द इस सड़क को बनवाया जाए, ताकि आवागमन की समस्या से उन्हें राहत मिल सके।

उर्वरक की कालाबाजारी, अवैध भंडारण पर करें कठोर कार्यवाही

श्योपुर। जिला कलेक्टर डबल लॉक केंद्रों, पैक्स और निजी विक्रय केन्द्रों का आकस्मिक रूप से करें निरीक्षणउर्वरक के अवैध व्यापार पर 30 एफ.आई.आर., 56 लायसेंस निरस्त, 70 लाइसेंस निलंबन और 188 विक्रय प्रतिबंधित करने की हुई कार्यवाही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की खरीफ के लिए उर्वरक व्यवस्था की समीक्षा की। यूरिया की मांग वाले जिलों में आगामी सात दिवस में प्राप्त होने वाले रैक और उर्वरक वितरण व्यवस्था संबंधी जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। राज्य स्तर से उर्वरक व्यवस्था की लगातार समीक्षा की जा रही है। वीसी के दौरान एनआईसी कक्ष श्योपुर में कलेक्टर अर्पित वर्मा, सीईओ जिला पंचायत अतेंद्र सिंह गुर्जर, एसडीएम बीएस श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर संजय जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

मानपुर त्रिवेणी संगम से छिमछिमा तक निकली 115 किमी लंबी कांवड़ यात्रा

पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने किया शुभारंभ, विजयपुर में हुआ भव्य स्वागत, पुलिस प्रशासन भी रहा मुस्तैद

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस

विजयपुर, 22 जुलाई। मानपुर स्थित पावन त्रिवेणी संगम रामेश्वर धाम से रविवार को भव्य कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हुआ। इस धार्मिक आयोजन का नेतृत्व मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व वन मंत्री श्री रामनिवास रावत ने किया। यात्रा में क्षेत्रभर से आए करीब हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और सैकड़ों कांवड़ उठाकर शिव भक्ति में डूबे नजर आए। यह यात्रा लगभग 115 किलोमीटर लंबी है, जो विभिन्न गांवों और कस्बों से होते हुए विजयपुर अंचल के प्राचीन छिमछिमा हनुमान मंदिर पर आकर संपन्न होगी। समापन के दिन श्रद्धालु चंबल नदी से लाए गए पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। छिमछिमा मंदिर को विजयपुर क्षेत्र की जनआस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है, और श्रावण मास में यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। यात्रा के दौरान ढोढर, वीरपुर और विजयपुर में रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा रास्ते भर स्वयंसेवी संगठनों और ग्रामवासियों द्वारा जलपान, विश्राम स्थल, प्राथमिक उपचार केंद्र और भंडारे लगाए गए हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही यह कांवड़ यात्रा आज विजयपुर पहुंची, जहां नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा, जयघोष के साथ भव्य स्वागत किया। श्रद्धालुओं के उत्साह और शिव भक्ति ने माहौल को भक्ति रस में रंग दिया। यात्रा की सुरक्षा और व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा और श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु हर संभव प्रयास किए गए। छिमछिमा हनुमान मंदिर में जलाभिषेक के लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना को देखते हुए मंदिर समिति और प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

मानसिक स्वास्थ पर परिचर्चा आयोजित, पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में हुआ आयोजन

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस

श्योपुर, 22 जुलाई। उच्च शिक्षा विभाग एवं राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन के तहत उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तारतम्य में आज प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय श्योपुर के सेमिनार हॉल में मानसिक स्वास्थ्य पर परिचर्चा आयोजित की गई जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़चढकर हिस्सा लिया।

डॉ. गायत्री मित्तल ने परिचर्चा के दौरान कई महत्वपूर्ण सूत्र विद्यार्थियों को बताया कि जिनके द्वारा वो आज की दौड़ भाग वाली व्यस्ततम एवं नित उच्च प्रतिस्पर्द्धा वाली जिंदगी में अपने आपको मानसिक रूप से स्वस्थ रख सकते हैं। उन्होंने बच्चों को बताया कि टेक्नोलॉजी का उपयोग अपने विकास के लिए किया जाना चाहिए ना कि परेशानियां पैदा करने के लिए क्योंकि आज की युवा पीढ़ी मोबाइल इंटरनेट का इस्तेमाल मनोरंजन के लिए अत्याधिक मात्रा में कर रहे हैं जिससे उनमें मानसिक अवसाद तथा दैनिक क्रियाओं में सामंजस्य बिठाने में तकलीफें पैदा हो रही हैं जोकि कदापि सही नहीं हैं। डॉ. मित्तल ने बच्चों को जल्दी सोने तथा जल्दी उठने की सलाह दी तथा साथ ही उन्होंने नित व्यायाम योग क्रियाओं, पुस्तकों के अध्ययन, पौष्टिक भोजन करने के साथ साथ

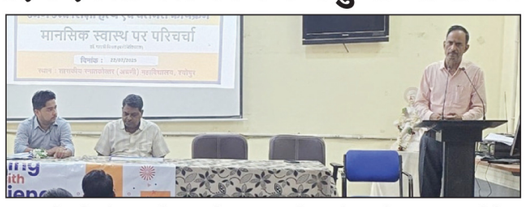

अगर किसी भी तरह के मानसिक तनाव में विद्यार्थी अपने आप को पाते हैं तो उचित सलाह देने तथा अपने परिजनों मित्रों गुरुओं से लगातार संवाद करने की सलाह भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में डॉ. मित्तल ने तनाव मुक्ति हेतु कुछ यौगिक क्रियाओं का अभ्यास भी विद्यार्थियों को कराया। कार्यक्रम का आभार नोडल अधिकारी डॉ मनु प्रताप सिंह भदौरिया खेल अधिकारी पीएम एक्सीलेंस कॉलेज ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में पीएम एक्सीलेंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ ओ पी शर्मा, आदर्श कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस डी राठौर व मनोचिकित्सक डॉ गायत्री मित्तल ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ की गई। इस अवसर पर विप्लव शर्मा व स्नेहलता गुर्जर आदि उपस्थित रहें।

डूबने से मौत के मामलों में 4-4 लाख रूपये की राशि स्वीकृत

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस

श्योपुर, 22 जुलाई। कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार श्योपुर एवं विजयपुर अनुभाग क्षेत्र में पानी में डूबने से हुई मृत्यु के 6 प्रकरणों में आरबीसी 6-4 के तहत मृतको के वारिसानों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

एसडीएम श्योपुर बीएस श्रीवास्तव ने बताया कि स्व. गिर्राज पुत्र कन्हैयालाल निवासी मानपुर की सीप नदी में डूबने से मृत्यु हो गई थी, मृतक का शव 10 जुलाई 2025 को सीप नदी से बरामद हुआ था, इस प्रकरण में मृतक के वैद्य वारिस उसकी मॉ पुष्पा बाई उर्फ कुसमा बाई आर्य के नाम 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई। इसी प्रकार गत 15 जुलाई को ग्राम सोईकलां में स्व. कु. गरिमा पुत्री देशराज बैरवा की सीप नदी में डूबने से मृत्यु हो गई थी, इस पर मृतिका के निकटतम वारिसान उसके पिता देशराज बैरवा के नाम 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत करने की कार्यवाही की गई है। एसडीएम श्योपुर ने बताया कि गत 30 मार्च को ग्राम सेमल्दा में घर के पास खेलते समय 5 वर्षीय बालक स्व.अभि पुत्र अमित गोयल की पानी के गड्ढे में गिर जाने से मृत्यु हो गई थी, इस मामले में मृतक बालक की मॉ संगीता गोयल पत्नि श्री अमित गोयल निवासी सबलगढ के नाम से 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। एसडीएम विजयपुर अभिषेक मिश्रा ने बताया कि 15 जुलाई को ग्राम शुक्रवारा निवासी स्व. शिव सिंह आदिवासी पुत्र रामदयाल आदिवासी की नदी में डूबने से मृत्यु हो जाने पर उसके वैद्य वारिसान उसकी पत्नि रचना आदिवासी निवासी ग्राम शुक्रवारा कदवई के नाम 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार 17 अप्रैल को ग्राम दाउदपुर निवासी स्व. बलराम पुत्र दुर्जन आदिवासी की कुएं पर पानी भरते समय पैर फिसलने के चलते कुए में गिर जाने से हुई मृत्यु के मामले में उसकी पत्नि तारा आदिवासी के नाम से 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। ग्राम मोहनपुरा निवासी स्व. सचिन जाटव पुत्र मोहर सिंह की पानी में डूबने से हुई मृत्यु के मामले में मृतक के निकटतम उसके पिता मोहर सिंह जाटव के नाम से 4 लाख रुपये की आर्थिक अनुदान सहायता राशि स्वीकृत की गई है। मृतक स्व. सचिन की 7 जुलाई 2025 को भैस चराते समय पापरे कोनदेह नाले में नहाने के दौरान अचानक पैर फिसलने के चलते गहरे पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी।

दतिया

मृतक के पुत्र अरविंद पावन का कहना है कि हमें इंसाफ चाहिए

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस

दतिया, 22 जुलाई। गोंदन थाने के आत्महत्या करने वाले एएसआई प्रमोद पावन के छोटे भाई हेड कांस्टेबल अनिरुद्ध पावन ने बताया कि प्रमोद का कभी किसी से कोई व्यक्तिगत विवाद नहीं रहा और न ही उनके खिलाफकोई विभागीय जांच चल रही थी। वे अत्यंत सीधे-सादे स्वभाव के व्यक्ति थे। उन्होंने आरोप लगाया कि गोदन थाना प्रभारी अरविंद भदोरिया और उनके कुछ स्टाफ लगातार उन्हें प्रताड़ित कर रहे थे। इस बारे में उन्होंने कई बार एसपी कार्यालय में शिकायत भी की, ट्रांसफर या लाइन अटैच करने की मांग भी रखी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। अगर समय रहते कोई कदम उठाया गया होता तो यह दुखद घटना नहीं घटती। मौके पर पहुंचे सेवढ़ा एसडीओपी अजय चनाना ने अनिरुद्ध पावन की बात दतिया एसपी सूरज वर्मा से करवाई। बातचीत में अनिरुद्ध ने कहा कि उन्होंने कई बार अपने भाई के साथ पहुंच कर आपसे शिकायत की थी, लेकिन किसी ने नहीं सुनी। उन्होंने एसपी से आग्रह किया कि अब निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। एसपी वर्मा ने उन्हें जांच का आश्वासन दिया है। जांच के लिए विशेष टीम गठित:दतिया एसपी सूरज वर्मा ने कहा कि मामले की जांच डीएसपी अजाक उमेश गर्ग को सौंपी गई है। वीडियो की भी फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। थाना प्रभारी को हटाया गया है साथ ही एक विशेष टीम का गठन किया गया है, जो पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच करेगी। डीएसपी उमेश गर्ग ने बताया कि जो भी साक्ष्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मिलनसार और जिम्मेदार अधिकारी थे प्रमोद

गोदन गांव के कई ग्रामीणों ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया, लेकिन नाम न छापने की शर्त पर बताया कि एएसआई प्रमोद एक मिलनसार, समझदार और जिम्मेदार अधिकारी थे। वे आम लोगों की समस्याएं बेहद गंभीरता से सुनते थे। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से वे काफी उदास दिख रहे थे। पूछने पर मुस्कुराकर टाल देते थे।

कलेक्टर द्वारा इन्दरगढ़ पहुंचकर की निर्माण कार्यो की समीक्षा

इंदरगढ़। कलेक्टर स्वप्निल वानखडे द्वारा आज नगर परिषद इन्दरगढ़ कार्यालय पहुंचकर चल रहे निर्माण कार्यो के संबंध में समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्रगतिरत कार्यो की प्रगति की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को विस्तृत दिशा निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्माण कार्यो में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यो को निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाए। उन्होंने नगर क्षेत्र की साफसफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश अनुविभागीय अधिकारी एवं प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी इन्दरगढ़ अशोक अवस्थी को दिए। उन्होंने कहा कि इन्दरगढ़ क्षेत्र की समस्या सबसे अधिक देखेने को मिलती है। उन्होंने समय रहते अतिक्रमण हटाने के निर्देश समस्त अधिकारियों को दिए जिससे वर्षा के दौरान जल भराव की स्थिति नहीं होगी एवं हादसों को भी टाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि जनहानि अथवा पशु हानि जैसी समस्या उत्पन्न होती है तो संबंधित के खिलाफकड़ी से कड़ी कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां कहीं भी निर्माण कार्य द्वारा गड्ढे हो जाते हैं या कहीं जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है वहां व्यवस्थित रुप से बैरिकेटिंग कराना सुनिश्चित करें। अन्यथा की स्थिति में दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी को निर्देश दिए कि 15 सितंबर से पहले कॉरिडोर एवं रिटेनिंग वॉल का कार्य रतनगढ़ माता मंदिर में पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि जहां अतिक्रमण से जल निकासी में दिक्कतें आ रही हैं वहां के लोगों को तीन से चार दिन का समय देकर मुनादी करवा ली जाए उसके बाद अतिक्रमण को हटाने का कार्य तीव्रता के साथ किया जाए। कई बार देखा गया है कि अतिक्रमण में बने 3 -4 घरों की वजह से पूरा शहर डूब की स्थिति में आ जाता है। इसलिए इस कार्य का क्रियान्वयन समस्त अधिकारी प्राथमिकता के साथ करें। उन्होंने एसडीएम श्री अशोक अवस्थी और तहसीलदार को सफाई कर्मचारियों की नियमित रुप से उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भाजपा ने ग्रामीण क्षेत्रो में पौधारोपण किया

दतिया। भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के द्वारा प्रदेश के जिलों में चलाए जा रहे एक पौधा मां के नाम पौधारोपण अभियान के तहत भाजपा उदगुवा मंडल में पौरारोपण और बूथ समिति की बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रघुवीर कुशवाहा भाजपा जिला मंत्री पौधारोपण जिला प्रभारी अतुल भूरे चौधरी मंडल अध्यक्ष हरिराम पाल पूर्व मंडल अध्यक्ष जगदीश यादव मनीराम शर्मा मौजूद रहे बूथ समिति के पदाधिकारी के साथ आम जामुन बरगद के पौधे रोपित किया इसके पश्चात ग्राम पलोथर में जामुन,आम के पौधे रोपित किए गए इसके पश्चात ग्राम उदगुवा में बूथ समिति के पदाधिकारीओ की बैठक शामिल हुए

बैठक के पश्चात ग्राम के हनुमान मंदिर प्रांगण में आम,जामुन,नींबू और जामफल के पौधे रोपित किया इसके पश्चात ग्राम खरग में बूथ समिति के पदाधिकारीओ ने कार्यक्रम के अतिथियों का साल श्रीफल और पुष्प माला पहने का स्वागत किया इसके पश्चात ग्राम के मंदिर प्रांगण में नींबू आम के पौधे रोपित किए इसके पश्चात ग्राम गरेरा में आयोजित बूथ समिति के पदाधिकारीओ की बैठक मैं शामिल हुए बैठक के पश्चात ग्राम के मंदिर प्रांगण में जामुन,नीम और पीपल के पौधे रोपित किए गए इस मौके पर रमेश नायक मनीराम शर्मा मुकेश प्रजापति दीपक शर्मा परमेश्वरी दास कुशवाहा सहित बूथ समिति के पदाधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थलों पर मौजूद रहे।

जन सुनवाई में सुनी शिकायते

दतिया। जनपद सभागार परिसर में मंगलवार को जन सुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और अपनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कीं। जन सुनवाई में दो दर्जन से अधिक शिकायते दर्ज की गईं, जिनमें अधिकांश शिकायतें जमीन विवाद, सड़क निर्माण, जल निकासी, बिजली समस्या, नाला कि सफाई, आवास योजना में नाम न आने, पेंशन न मिलने एवं शासकीय योजनाओं का लाभ न मिलने से जुड़ी रहीं। जन सुनवाई का यह सत्र जन सहभागिता और प्रशासनिक जिम्मेदारी का प्रतीक बनकर सामने आया।

पूर्व विधायक एवं भाजपा जिलाध्यक्ष ने बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाकर किया स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान का शुभारम्भ

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस

दतिया, 22 जुलाई। मंगलवार को भांडेर के पूर्व विधायक एवं भाजपा अजा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष घनश्याम पिरौनिया ने मध्य प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहे स्टाप डायरिया सह दस्तक अभियान के अंतर्गत ग्राम सालोंए में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर छोटे बच्चों को दबाई पिलाई। एवं गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया इस दौरान उनाव मण्डल अध्यक्ष दिनेश शर्मा उपस्थित रहे । वही भाजपा जिलाध्यक्ष रघुवीर कुशवाह द्वारा आगामी 45 दिवस तक चलने वाले स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान का शुभारम्भ बच्चो को बिटामिन ए की दवा पिलाकर किया। उक्त अभियान के अंतर्गत जिले में लगभग 86 हजार बच्चों को विभिन्न प्रकार की सेवाये जैसे कि बिटामिन ए अनुपूरण कुपोषण का चिन्हांकन एनिमिया, निमोनिया, दस्त एवं अन्य मौसमी बीमारियो से प्रभावित बच्चो का तीन सदस्यीय दल जिसमे एएनएम, आशा एवं ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा परीक्षण उपचार एवं आवश्यकतानुसार रैफर की सेवा प्रदाय की जावेगी। शुभारम्भ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रघुवीर सिंह कुशवाह द्वारा कहा गया कि प्रदेश की सरकार पूर्ण रूप से स्वास्थ्य सूचकांको में सुधार हेतु प्रयासरत है। जिसके परिणामस्वरूप समय-समय पर शासन एवं विभाग द्वारा इस प्रकार के अभियान चलाये जाते है। मुख्य अतिथि द्वारा समस्त जिले वासियों से अपील की गई कि अभियान के अंतर्गत दलों को सहयोग करे एवं अपने बच्चो का सतप्रतिशत परीक्षण आवश्यक रूप से करावे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बी.के वर्मा द्वारा बताया गया कि अभियान के अंतर्गत चिन्हित सभी बच्चो को प्रथम दिवस ऑगनवाडी केन्द्र पर सेवाये प्रदाय की जावेगी शेष बच्चो को मॉपअप दिवस में घर जाकर उपरोक्त सभी सेवाये दल द्वारा प्रदाय की जावेगी सभी दलो को निर्धारित प्रोटोकॉल एवं शासन से प्राप्त निर्देश पालन करने हेतु सक्त निर्देश जारी किये गये है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ डी.के सोनी भूरे चैधरी, पंकज गुप्ता एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी बदले

दतिया। कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखडे ने आदेश जारी कर प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से डॉ. आरएस परिहार मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य कन्द्र भाण्डेर के स्थान पर डॉ. इन्द्रेश कुमार दोहरे चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भाण्डेर को मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य कन्द्र भाण्डेर का प्रभार सौंपा गाय है। इसी प्रकार डॉ. अरूण कुमार शर्मा मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इन्दरगढ़ के स्थान डॉ. सज्जन सिंह दांगी चिकित्सा अधिकारी जिला चिकित्सालय दतिया को मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इन्दरगढ़ का प्रभार सौंपा है।

कविता

तेरी मेरी कहानी

चाँदनी रात में चाँदनी मुस्कुरा रही थी
पायल पहन खूब इतरा रही थी चाँदनी रात में चाँदनी मुस्कुरा रही थी
पायल पहन खूब इतरा रही थी
चाँद को आज बुलाया था मित्रों ने
चाँदनी नए लिवास में मस्त छा रही थीं

चाँद की राह तकती जा रही थी
बादलों संग चाँद सैर पर चला था
कदाचित चाँदनी को भूल गया था

चाँदनी को अब गुस्सा आ रहा था
चमकता चेहरा मुरझा सा गया था

अब न करेगी प्रतीक्षा.. सोच सोच क्रोध आ गया था
सोने के लिए मन को मना लिया था

फिर भी नींद का पहर बीता जा रहा था

अचनक चाँद को याद आ गया था
उल्टे पाँव तभी भाग उठा था

देख क्रोधित चाँदनी को चाँद मुस्कुरा रहा था
पायल की तारीफ़ किए जा रहा था
न मानी चाँदनी, तो भी चाँद समझाए जा रहा था
तुम और हम अलग कहाँ प्रिये!

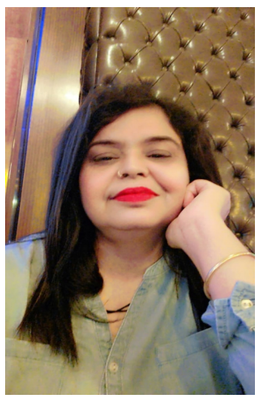

देखो हमारी कहानी के किस्से जग सुना रहा था
नाराजगी छोड़ो चलो लिखें, तेरी मेरी कहानी

सुन चाँदनी का चेहरा खिल रहा था
अब वही हँसी होठों पर आ रही थीं

चाँदनी रात में चाँदनी मुस्कुरा रही थी
पायल पहन खूब इतरा रही थी

वंदना घनश्याला की कलम से

भारत में भ्रष्टाचार आतंकवाद हत्या इत्यादि अपराधों में प्रॉसीक्यूशन द्वारा सजा दिलाने का प्रतिशत बहुत कम होना सोचनीय?

मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस 2006-ट्रायल कोर्ट से दोषी ठहराए सभी 12 लोगों को हाईकोर्ट ने आरोपों से बरी किया-फिर दोषी कौन?प्रॉसीक्यूशन पर उठे सवाल? भारत में प्रॉसीक्यूशन पक्ष की सफलताओं को प्रभावित करने में राजनीतिक हस्तक्षेप,भ्रष्टाचार गवाहों का डर इत्यादि कारकों का संज्ञान लेना ज़रूरी-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गोंदिया - वैश्विक स्तरपर दुनियाँ में भारतीय संवैधानिक संस्थाएं जैसे निर्वाचन आयोग न्यायपालिका इत्यादि की प्रतिष्ठा बनी हुई है,परंतु कुछ की परिस्थितिजन्य स्थितियों के कारण कम है, स्वाभाविक रूप से हम जानते हैं कि अंदरखाने भ्रष्टाचार राजनीतिक हस्तक्षेप डिपार्टमेंट की आपसी जबरदस्त मिलीभगत न्यायपालिका में प्रॉसीक्यूशन को प्रभावित कर असफलता के घेरे में लाकर खड़ा कर देती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र, मानता हूं कि यदि भ्रष्टाचार के केस में पटवारी या बाबू से लेकर अधिकारी तक फसता है तो मैं प्रैक्टिकल देखा हूं कि भ्रष्टाचार का आरोपी कुछ समय निर्लंबित रहने के बाद ड्यूटी पर वापस ज्वाइन हो जाता है फिर लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद बरी भी हो जाता है,इसमें पूरी चैनल की मिली भगत हो सकती है जो हमें प्रत्यक्ष रूप से पता नहीं चलता, परंतु इसका एक अपवाद यह भी है कि किसी हाई प्रोफाइल केस में कोई हाथ नहीं डालता, बल्कि कुछ कानूनी लीकेज का फायदा बचावपक्ष उठकर फिर प्रॉसीक्यूशन को पटकनीं दे देता है आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 21 जुलाई 2025 को माननीय बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट के ट्रायलकोर्ट से दोषी ठहराए गए 12 लोगों को आरोपों से बरी कर दिया,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत में प्रॉसीक्यूशन पक्ष की सफलताओं को प्रभावित करने में राजनीतिक हस्तक्षेप भ्रष्टाचार गवाह को डराना इत्यादि कारकों का संज्ञान लेना जरूरी है। साथियों बात अगर हम सोमवार दिनांक 21 जुलाई 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले की करें तो,2006 में हुए मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस में बॉम्बे हाई कोर्ट ने आज ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सभी दोषियों को बरी कर दिया है।हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपने आरोप साबित करने में पूरी तरह नाकाम रहा और यह विश्वास करना मुश्किल है कि आरोपियों ने ही यह अपराध किया हो, इस मामले में हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की ओर से दोषी ठहराए गए 12 में से 11 आरोपियों को सभी आरोपों से बरी कर दिया है, जबकि एक आरोपी की अपील लंबित रहने के दौरान मृत्यु हो गई थी।2006 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस–11 जुलाई 2006–7 बम धमाके मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए, 187 लोगों की मौत, 824 घायल,जुलाई-अगस्त 2006–13 लोगों की गिरफ्तारी,30 नवंबर 2006– 30 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल, जिनमें 13 पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल 2007– ट्रायल शुरू,सितंबर 2015–12 लोगों को दोषी ठहराया गया, 5 को फांसी, 7 को उम्रकैद,2024– हाई कोर्ट ने केस की सुनवाई शुरू की,21 जुलाई 2025– सभी 11 आरोपी बरी, हाईकोर्ट ने कहा कि यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है, इसलिए उन्हें बरी किया जाता है।अगर वे किसी दूसरे मामले में वांटेड नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा किया जाए।कोर्ट के आदेश के बाद सोमवार शाम 12 में से दो आरोपियों को नागपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया।11जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है।हाईकोर्ट के फैसले के बाद आगे क्या 3 पॉइंट–(1) सुप्रीम कोर्ट के वकील आशीष पांडे बताते हैं, %बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है।%(2)भारत के संविधान के अनुच्छेद 136 में प्रावधान है कि सुप्रीम कोर्ट में किसी भी हाईकोर्ट या अन्य कोर्ट के फैसले के खिलाफ विशेष अनुमति याचिका दायर की जा सकती है।(3)याचिका मंजूर हुई तो फिर इस पर सुनवाई होगी। बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के आधारों की जांच होगी और फिर फैसला सुनाया जाएगा। इसमें लंबा वक्त लग सकता है। साथियों बात अगर हम स्पेशल मकोका कोर्ट के फैसले की करें तो, 2006 में 13 आरोपी पकड़े गए थे, 5 को फांसी की सजा, एक बरी हुआ।करीब 9 साल तक केस चलने के बाद स्पेशल मकोका कोर्ट ने 11 सितंबर 2015 को फैसला सुनाया था। कोर्ट ने 13 आरोपियों में से 5 दोषियों को फांसी की सजा, 7 को उम्रकैद की सजा और एक आरोपी को बरी कर दिया था।2016 में आरोपियों ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया, 9 साल केस चला2019 में बॉम्बेहाईकोर्ट ने अपीलों पर सुनवाई शुरू की। अदालत ने कहा कि इस मामले में विस्तृत दलीलें और रिकॉर्ड की समीक्षा की जाएगी। 2023 से 2024 तक हाईकोर्ट में मामला लंबित रहा, सुनवाई टुकड़ों में होती रही। 2025 में हाईकोर्ट ने सभी 12 आरोपियों को बरी किया। साथियों बात अगर हम प्रॉसीक्यूशन की चुनौतियों की करें तो,भारतीय अदालतों में, अभियोजन पक्ष (प्रॉसिक्यूशन) द्वारा अपराधियों को सजा दिलाना एक जटिल प्रक्रिया है और कई कारक हैं जो इस प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। सजा दर कम होने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें साक्ष्य की कमी, गवाहों की अनिच्छा, या कानूनी प्रक्रियाओं में देरी शामिल हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सजा की दर एक जटिल मुद्दा है और इसमें सुधार के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। यहां कुछ कारण दिए गए हैं कि क्यों भारतीय अदालतों में अपराधियों को सजा दिलाना मुश्किल हो सकता है–(1) साक्ष्य की कमी–अपराधों को साबित करने के लिए पर्याप्त और ठोस सबूतों की आवश्यकता होती है। यदि अभियोजन पक्ष पर्याप्त सबूत पेश करने में विफल रहता है, तो अपराधी को बरी किया जा सकता है। (2) गवाहों की अनिच्छा– कई बार गवाह डर के मारे या किसी अन्य कारण से गवाही देने से हिचकिचाते हैं। इससे अभियोजन पक्ष के लिए मामले को साबित करना मुश्किल हो जाता है। (3) कानूनी प्रक्रियाओं में देरी–भारतीय अदालतों में मुकदमेबाजी में अक्सर देरी होती है। यह देरी साक्ष्य को कमजोर कर सकती है और गवाहों को प्रभावित कर सकती है, जिससे अभियोजन पक्ष के लिए मामले को जीतना मुश्किल हो जाता है। (4) अपर्याप्त कानूनी सहायता–कुछ मामलों में, आरोपी के पास एक मजबूत कानूनी टीम नहीं होती है, जो उसे प्रभावी ढंग से बचाव कर सके। इससे अभियोजन पक्ष के लिए मामले को जीतना आसान हो जाता है।इन कारकों के अलावा,भ्रष्टाचार,राजनीतिक हस्तक्षेप,और अदालतों में अपर्याप्त संसाधनों जैसे अन्य कारक भी हैं जो अभियोजन पक्ष की सफलता को प्रभावित कर सकते हैं। भारतीय अदालतों में सजा दर में सुधार के लिए सरकार और अन्य हितधारकों द्वारा कई प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों में शामिल हैं (1) कानूनों और प्रक्रियाओं में सुधार–सरकार कानूनों और प्रक्रियाओं में सुधार कर रही है ताकि अभियोजन पक्ष को अधिक प्रभावी ढंग से काम करने में मदद मिल सके।(2)अदालतों में संसाधनों में वृद्धि–अदालतों में अधिक संसाधनों को आवंटित करके,सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि मुकदमेबाजी में देरी कम हो।(3) जागरूकता बढ़ाना–सरकार और अन्य हितधारक जनता को कानूनी प्रक्रियाओं और अपने अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए काम कर रहे हैं।इन प्रयासों के बावजूद, भारतीय अदालतों में सजा दर में सुधार करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि अपराधियों को सजा मिले, निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस 2006-ट्रायल कोर्ट से दोषी ठहराए सभी 12 लोगों को हाईकोर्ट ने आरोपों से बरी किया-फिर दोषी कौन?प्रॉसीक्यूशन पर उठे सवाल?भारत में भ्रष्टाचार आतंकवाद हत्या इत्यादि अपराधों में प्रॉसीक्यूशन द्वारा सजा दिलाने का प्रतिशत बहुत कम होना सोचनीय?भारत में प्रॉसीक्यूशन पक्ष की सफलताओं को प्रभावित करने में राजनीतिक हस्तक्षेप,भ्रष्टाचार,गवाहों का डर इत्यादि कारकों का संज्ञान लेना ज़रूरी है।–

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

धर्म, संस्कृति, परंपरा व सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम

कांवड़ यात्रा एक कठिन तपस्या भी है, जिसमें भक्त पवित्र नदियों से जल लेकर के भगवान शिव को चढ़ाते हैं। पवित्र नदियों का जल लेकर के भगवान शिव पर जल चढ़ाने की प्रथा सदियों से चली आ रही है। यहां तक की हमारे पुराणों और ग्रंथों में भी कांवड़ यात्रा से संबंधित तथ्य मिलते हैं। पवित्र श्रावण मास चल रहा है, इस मास में देश के विभिन्न हिस्सों में शिवभक्त देवाधिदेव भगवान महादेव के ऊपर पवित्र नदियों का जल चढ़ाने के लिए सदियों से कांवड़ लेकर आते हैं। हालांकि कुछ लोगों के मन में यह प्रश्न उठता रहता है कि आखिर यह कांवड़ यात्रा क्या है, उन्होंने बेहद सरल शब्दों में यह समझना चाहिए कि कांवड़ यात्रा सनातन धर्मियों की केवल आस्था का ही नहीं बल्कि हमारे प्यारे देश भारत की समृद्धशाली धर्म-सांस्कृतिक, प्राचीन परंपरा और विरासत का एक अद्भुत प्रतीक है। वैसे भी सनातन धर्म-संस्कृति में पवित्र श्रावण मास की शिवरात्रि को

देवाधिदेव भगवान महादेव की आराधना के लिए सबसे श्रेष्ठ दिन माना जाता है। इसलिए शिव भक्तों के द्वारा श्रावण मास की शिवरात्रि को भगवान शिव की पूजा-अर्चना करके कांवड़ से लाये पवित्र जल के माध्यम से जलाभिषेक करके इसको एक भव्य महापर्व के रूप में मनाया जाता है। हालांकि पूरे श्रावण मास में ही भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए शिव भक्त दूर-दूर से पवित्र नदियों खासतौर पर गंगा के जल को सनातन धर्म की बेहद प्राचीन धर्म-संस्कृति व परंपराओं के अनुसार लाकर भगवान शिव के शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं। देश-दुनिया में पवित्र नदियों के जल को शिव भक्तों के कंधे पर बांस की बनी कांवड़ के दोनों सिरों पर लटके हुए कलश में लेकर के आने की इस अद्भुत यात्रा को ही कांवड़ यात्रा कहते हैं। सदियों के बाद आज के दौर में शिव भक्त हर वर्ष तरह-तरह की कांवड़ लेकर आते हैं, जो लोगों को आकर्षित करने का कार्य करती हैं। कांवड़ यात्रा भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना का एक धार्मिक अनुष्ठान मात्र ही नहीं है, बल्कि यह यात्रा प्राचीन धर्म-संस्कृति, परंपराओं व सामाजिक समरसता का एक विशाल अद्भुत संगम है। भगवान शिव के आशिर्वाद से हर वर्ष ही कांवड़ यात्रा से जहां एक तरफ तो लाखों लोगों को रोजगार मिलने से उनका परिवार पलता है, वहीं दूसरी तरफ यह भगवान शिव की पूजा-अर्चना करके उन्हें खुश करने का एक बड़ा अवसर भक्तों को मिलता है। कांवड़ यात्रा लोगों को एक जुट रहकर के जल की एक-एक बूंद की अहमियत को बताते हुए प्रकृति की पूजा के बारे में बताती है, – **ललित गर्ग**

आस्था श्रावण माह के कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि दिन बुधवार

8 KM की रफ्तार 1500 KM मार भारत की सबसे घातक Hypersonic Missile तैयार

हम आपको बता दें कि हाइपरसोनिक हथियारों को आधुनिक युद्ध का 'गेम चेंजर' कहा जाता है। अमेरिका, रूस और चीन इस तकनीक में अग्रणी हैं। रूस ने 2022 में यूक्रेन युद्ध में 'किंझाल' मिसाइल का उपयोग कर इस क्षमता का प्रदर्शन किया था। भारत ने हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण कर अमेरिका, रूस और चीन जैसी वैश्विक शक्तियों वाले हाइपरसोनिक क्लब में प्रवेश हासिल कर लिया है। हम आपको बता दें कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के माध्यम से मिसाइल तकनीक के क्षेत्र में भारत ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। छ्रक्रष्ठह्र ने 'एक्सटेंडेड ट्राजेक्टरी लॉन्ग ड्यूरेशन हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल नामक देश की सबसे उन्नत मिसाइल प्रणाली विकसित की है। यह न केवल भारत की वर्तमान मिसाइल प्रणाली जैसे ब्रह्मोस, अग्नि-5 और आकाश को पीछे छोड़ती है, बल्कि आधुनिक युद्ध की परिभाषा ही बदल सकती है। हम आपको बता दें के गोपनीय प्रोजेक्ट 'विष्णु' के तहत विकसित किया गया है। यह मिसाइल 8 (आवाज की गति से आठ गुना अधिक) की रफ्तार से उड़ सकती है और 1,500 किलोमीटर तक सटीक वार करने में सक्षम है। यह ब्रह्मोस के मुकाबले तीन गुना अधिक दूरी और तीन गुना अधिक रफ्तार वाली प्रणाली है। इसकी मुख्य विशेषताओं की बात करें तो आपको बता दें कि पारंपरिक इंजनों के विपरीत यह इंजन वायुमंडलीय ऑक्सीजन का उपयोग करता है, जिससे यह लंबी दूरी तक लगातार हाइपरसोनिक गति बनाए रख सकता है। यह 1,000 से 2,000 किलोग्राम तक के पारंपरिक या परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। साथ ही यह रडार से बचने और दुश्मन की रक्षा प्रणाली को भेदने में सहायक है। इसे भूमि, समुद्र और वायु तीनों स्थानों से दागा जा सकता है। इसके टारगेट्स की बात करें तो आपको बता दें कि दुश्मन के कमांड सेंटर, रडार सिस्टम, नौसेना के बेड़े और भूमिगत बंकर को यह आसानी से निशाना बना सकता है। हम आपको बता दें कि eurasiantimes.com की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत नामक जो मिसाइल बना रहा है उसकी सबसे खास बात उसका इंजन है जिसे स्क्रैमजेट कहते हैं। यह मिसाइल करीब 8 मैक यानी लगभग 11,000 किलोमीटर की रफ्तार से दुश्मन पर कहर बनकर टूटती है। भविष्य के युद्धों के लिए तैयार होती भारतीय सेना क्या होता है हाइपरसोनिक हथियार यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि हाइपरसोनिक हथियार वे होते हैं जो रूड्डष्द्ध 5 (आवाज की गति से पांच गुना अधिक) से तेज गति से उड़ सकते हैं। ये पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइलों से अलग होते हैं क्योंकि ये अपनी उड़ान के दौरान दिशा बदल सकते हैं, जिससे इन्हें पकड़ना और रोकना अत्यंत कठिन होता है। इसके मुख्य रूप से दो प्रकार होते हैं- हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल ख्रञ्जष्टरू

इसी श्रेणी में आता है। हम आपको बता दें कि हाइपरसोनिक हथियारों को आधुनिक युद्ध का 'गेम चेंजर' कहा जाता है। अमेरिका, रूस और चीन इस तकनीक में अग्रणी हैं। रूस ने 2022 में यूक्रेन युद्ध में 'किंझाल' मिसाइल का उपयोग कर इस क्षमता का प्रदर्शन किया था। अमेरिका लॉकहीड मार्टिन के जरिए इस दिशा में कार्य कर रहा है। फांस, जर्मनी, जापान, इजराइल और ऑस्ट्रेलिया भी इस दौड़ में शामिल हैं। यह बात भी काबिलेगौर है कि भारत का यह परीक्षण ऐसे समय हुआ है जब दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव अपने चरम पर है। हम आपको बता दें कि हाइपरसोनिक हथियारों के विकास में सबसे बड़ी चुनौती अत्यधिक गति के कारण उत्पन्न 2000 डिग्री सेल्सियस तक की गर्मी को सहने की होती है। इसके लिए छ्रक्रष्ठह्र ने हीट रेसिस्टेंट मटेरियल और कार्बन कॉम्पोजिट्स का प्रयोग किया है। दूसरी चुनौती रियल टाइम नेविगेशन और संचार की है, जिसे भारत ने स्वदेशी तकनीक से हल किया है। जहां तक बात है तो आपको बता दें कि इसके तहत छ्रक्रष्ठह्र 12 अलग-अलग हाइपरसोनिक सिस्टम विकसित कर रहा है, जिनमें आक्रमणकारी मिसाइल और इंटरसेप्टर दोनों शामिल हैं। नवंबर 2024 में इस प्रोजेक्ट के तहत स्क्रैमजेट इंजन का पहला सफल परीक्षण हुआ था। इस प्रोजेक्ट की पहली बड़ी सफलता है। महत्वपूर्ण बात यह कि इस मिसाइल का पूरा निर्माण भारत में हुआ है और वह भी रूस्स्ब्ध और निजी रक्षा कंपनियों के सहयोग से। इससे न केवल आत्मनिर्भर भारत अभियान को बल मिलेगा, बल्कि स्थानीय रोजगार और नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा। रक्षा विशेषज्ञों का आकलन है कि दक्षिण एशिया में सामरिक संतुलन बदलने में सक्षम है। यह चीन के इंडो-पैसिफिक प्रभुत्व और पाकिस्तान के विरुद्ध भारत की क्षमता को और मजबूत करेगा। यह मिसाइल रूस के 500 या इजराइल के जैसी अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों को भी चुनौती दे सकती है। देखा जाये तो इस सफल परीक्षण ने भारत को अमेरिका, रूस और चीन जैसे हाइपरसोनिक मिसाइल क्षमता वाले देशों की कतार में खड़ा कर दिया है। यह केवल एक मिसाइल नहीं बल्कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रभाव का प्रतीक है। भविष्य में इस तकनीक के आधार पर भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भी बड़ी शक्ति बन सकता है। हम आपको यह भी बता दें कि भारत के मिसाइल कार्यक्रम की शुरुआत का जब भी जिक्र होता है, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का नाम सबसे पहले स्मृति में आ जाता है। 'मिसाइल मैन ऑफ इंडिया' के रूप में प्रसिद्ध डॉ. कलाम ने भारत को मिसाइल तकनीक में आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखा था, जिसमें बैलिस्टिक, क्रूज और भविष्य में हाइपरसोनिक तकनीक भी शामिल थी। आज जब भारत ने हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली में बड़ी उपलब्धि हासिल की है, तो यह केवल एक सैन्य सफलता नहीं, बल्कि अब्दुल कलाम के उसी सपने का विस्तार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस क्षेत्र को राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक सामरिक संतुलन के लिहाज से सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हम आपको बता दें कि डॉ. कलाम का सपना था कि भारत अपने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने और तकनीक आधारित प्रतिरोधक क्षमता हमारे देश की नीति का अभिन्न हिस्सा हो। उन्होंने अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों के ज़रिए भारत को सामरिक क्षमता दी, लेकिन उनके विजन में अगला कदम था। हाइपरसोनिक स्पीड, सटीकता और आधुनिक युद्धक्षमता वाली मिसाइलें। कलाम मानते थे कि अगली सदी के युद्ध सिर्फ हथियारों की संख्या से नहीं, रफ्तार, तकनीक और चुपकेपन से तय होंगे। इसलिए उन्होंने स्क्रैमजेट इंजन, हाइपरसोनिक फ्लाइट और उन्नत रडार-प्रूफ सिस्टम के अनुसंधान पर बल दिया था। वह कहते थे कि - ÷स्श्चद्दद्गस्र द्वद्य श्च्श2द्गह्म् द्वठ्ठ द्वह्लह्वद्गह्म्द्ग 2ड्डह्म्द्घड्डह्म्द्ग, ड्ढठ्ठस्र द्धठ्ठस्रद्बड्ड द्वह्लह्वह्ल ठ्ठद्ग1द्गह्म् द्यड्डद्द ड्ढद्गद्धद्बठ्ठस्र.÷ हम आपको बता दें कि छ्रक्रष्ठह्र में रहते हुए डॉ. कलाम ने इस दिशा में हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकी डेमोंस्ट्रेटर व्हीकल (॥स्ञ्जष्ठङ्क) जैसे शुरुआती प्रयासों की नींव रखी थी। प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता में क्यों है हाइपरसोनिक मिसाइल? यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि आज भारत की सीमाएं सिर्फ पारंपरिक युद्ध के खतरे से नहीं, बल्कि चीन की आक्रामक नीति, पाकिस्तान के परमाणु ब्लैकमेल और इंडो-पैसिफिक में अमेरिका-चीन संघर्ष के बीच सामरिक दबाव में हैं। हाइपरसोनिक मिसाइलें भारत को %सिक्योर स्ट्राइक% और %रैपिड रिटैलिएशन% की क्षमता देती हैं– चाहे पाकिस्तान हो या दक्षिण चीन सागर। इसके अलावा, भारत की न्यूनतम प्रतिरोधक नीति के तहत हाइपरसोनिक मिसाइलें उसकी सेकंड स्ट्राइक क्षमता को अजेय बनाती हैं। चीन के ष्ठस्न-17, रूस के ्1ड्ठद्दड्डह्लस्र और अमेरिका के स्क्रा्रङ्ख के मुकाबले भारत का श्वञ्ज-स्ष्ठ॥ष्टरू या ॥स्ञ्जष्ठङ्क उसकी सामरिक विश्वसनीयता को बढ़ाते हैं। साथ ही मोदी सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि भारत रक्षा तकनीक में केवल उपभोक्ता न रहे, बल्कि वैश्विक रक्षा निर्यातक और इनोवेशन लीडर बने। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' विजन में रक्षा उत्पादन अहम स्तंभ है।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

श्रीनगर सिर्फ एक शहर नहीं, एक ऐसा अनुभव जो आपकी रूह को छू जाए

धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले श्रीनगर में प्राकृतिक सौंदर्य और शांत झीलों का अनूठा संगम है। डल झील पर हाउसबोट और शिकारा की सवारी का आनंद लें, मुग़ल बाग़ों की भव्यता देखें और ऐतिहासिक स्थलों के साथ-साथ स्थानीय हस्तशिल्प व लजीज कश्मीरी व्यंजनों का स्वाद चखें। भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता। हरे-भरे बाग़, बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ, शांत झीलें और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत श्रीनगर को न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य और झीलों का शहर

श्रीनगर की सबसे प्रसिद्ध पहचान डल झील है। इसमें हाउसबोट पर रहने का अनुभव जीवन भर याद रहता है। शिकारा की सवारी करते हुए झील के शांत पानी पर तैरते बाजार, कमल के फूल और आसपास के हिमालयी नज़ारे किसी स्वप्न से कम नहीं लगते। बाग, चश्म-ए-शाही ये बाग़ झेलम नगीन झील भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो शांति और एकांत की तलाश में होते हैं।

बाग-बग़ीचों की सौगात

मुग़ल बादशाहों ने श्रीनगर में कई खूबसूरत बाग़ बनवाए, जिनमें प्रमुख हैं- शालीमार बाग़, निशात नदी के किनारे स्थित हैं और यहाँ से झील व पर्वतों का दृश्य अत्यंत मनोरम दिखाई देता है।

सूरी से 84 किमी दूर यह हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों के लिए है स्वर्ग, आप भी प्लान करें ट्रिप

धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल

श्रीनगर में कई ऐतिहासिक मस्जिदें और मंदिर हैं। इनमें जहाँ पैगंबर मोहम्मद का एक पवित्र अवशेष रखा गया है। शंकराचार्य मंदिर- जो एक पहाड़ी पर स्थित है और वहाँ से श्रीनगर का विहंगम दृश्य दिखाई देता है। जामा मस्जिद- पुरानी कश्मीर वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण।

स्थानीय बाज़ार और हस्तशिल्प

श्रीनगर के बाज़ारों में कश्मीरी कालीन, पश्मीना शॉल, लकड़ी की नक़्क़ाशी और कागज़ी माछे की कला खरीदने लायक होती है। लाल चौक, बादशाह चौक और रेज़िडेंसी रोड मुख्य शॉपिंग स्थान हैं।

खानपान की विशेषता

कश्मीरी व्यंजन विश्वविख्यात हैं। रोगनजोश, यखनी, दुम आलू, और गुस्ताबा जैसे व्यंजन स्वादिष्ट और मसालेदार होते हैं। चाय प्रेमियों को कहवा ज़रूर आज़माना चाहिए - यह केसर और सूखे मेवों से बना एक पारंपरिक पेय है।

पर्यटन के लिए उपयुक्त समय

श्रीनगर जाने का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर के बीच होता है, जब मौसम सुहावना रहता है। बर्फबारी का आनंद लेना हो तो दिसंबर से फरवरी का समय उपयुक्त है। श्रीनगर केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक अनुभव है- जहाँ हर मोड़ पर प्रकृति, संस्कृति और शांति एक साथ मिलती हैं। यदि आप प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और मेहमाननवाज़ी का मिश्रण चाहते हैं, तो श्रीनगर आपकी अगली यात्रा सूची में अवश्य होना चाहिए।

मानसून में हाइड्रेशन से जुड़े मिथ:क्या बारिश में नहीं होता पसीना, क्या कम पानी पीना ठीक है, बता रहे हैं डॉक्टर

मानसून में बारिश से तापमान कम हो जाता है, लेकिन शरीर की पानी की जरूरत कम नहीं होती है। नमी और ठंडक के बावजूद शरीर से पसीने और यूरिन के जरिए पानी जाता रहता है। इसलिए पानी पीते रहना जरूरी है। कई लोग सोचते हैं कि ज्यादा पानी पीना हमेशा फायदेमंद होता है, जबकि हद से ज्यादा पानी पीने से इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बिगड़ सकता है और हाइपोनैट्रेमिया जैसी समस्या हो सकती है। सबसे कॉमन गलतफहमी यह है कि प्यास लगना ही पानी की जरूरत का संकेत है। हकीकत में, प्यास एक देर से आने वाला संकेत है- खासकर मानसून जैसे मौसम में जब प्यास कम लगती है। इस तरह के सभी मिथकों की सच्चाई जानना जरूरी है, ताकि मानसून में भी शरीर हाइड्रेटेड और स्वस्थ बना रहे।आज 'फिजिकल हेल्थ' में हम हाइड्रेशन को लेकर मिथक और सच्चाई पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- बारिश का पानी पीने के लिए कितना सुरक्षित होता है? यूरिन का रंग पानी जैसा होने का मतलब क्या है? मिथक 1ः बारिश के मौसम में कम पानी पीने की जरूरत होती है। सच्चाईः भले ही मानसून में गर्मी कम होती है और पसीना कम निकलता है, लेकिन शरीर की पानी की जरूरत वैसी ही बनी रहती है। असल में हवा में नमी ज्यादा होने से पसीना जल्दी सूख जाता है, जिससे यह लगता है कि हमें पसीना नहीं आ रहा है। हालांकि, शरीर में लगातार वाष्पन की प्रक्रिया जारी रहती है और यूरिन के जरिए भी पानी शरीर से बाहर निकलता है। अगर पानी कम पिया जाए तो शरीर की कोशिकाएं ठीक से काम नहीं कर पातीं, जिससे थकान, चक्कर या सिरदर्द महसूस हो सकता है। इससे डिहाइड्रेशन की स्थिति पैदा हो सकती है। मिथक 2ः बारिश का पानी पीने के लिए सुरक्षित होता है। सच्चाईः बारिश का पानी %डिस्टिल्ड% भले ही दिखता है, लेकिन यह वायुमंडल से गुजरते समय उसमें मौजूद पॉल्यूटेंट्स, बैक्टीरिया और केमिकल्स को सोख लेता है। खासतौर पर शहरी इलाकों में, यह पानी एसिडिक हो सकता है और इसमें माइक्रोब्स भी हो सकते हैं। अगर यह पानी बिना उबाले या फिल्टर किए पिया जाए तो इसे पीने से संक्रमण और पेट की बीमारियों का खतरा हो सकता है।मिथक 3ः पानी पीना हमेशा फायदेमंद होता है। सच्चाईः पानी पीना जरूरी है, लेकिन हर चीज की तरह इसकी भी एक सीमा होती है। अगर जरूरत से ज्यादा पानी पीया जाए तो इससे हाइपोनेट्रीमिया जैसी स्थिति पैदा हो सकती है, जिसमें शरीर में सोडियम जैसे जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स बहुत कम हो जाते हैं। इसका असर यह होता है कि कोशिकाओं में पानी भरने लगता है, जिससे दिमाग में सूजन, मतली, सिरदर्द, भ्रम और गंभीर मामलों में बेहोशी तक हो सकती है। मिथक 4ः प्यास लगना ही हाइड्रेशन की सही पहचान है। सच्चाईः यह सच नहीं है। हमें प्यास तब महसूस होती है, जब शरीर को पानी की कमी महसूस होती है। असल में पानी तो शरूर में पहले ही कम हो चुका होता है यानी यह शरीर का देर से आने वाला एक अलार्म है। शरीर के ऑर्गन्स और सेल में जब पानी की कमी होने लगती है, तब ब्रेन हाइपोथैलेमस के जरिए प्यास का मैसेज भेजता है। मानसून के मौसम में जब वातावरण ठंडा होता है, तब प्यास की अनुभूति और भी धीमी हो जाती है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है।मिथक 5ः सिर्फ पानी ही हाइड्रेशन के लिए पर्याप्त है।सच्चाईः शरीर की हाइड्रेशन जरूरतों को पूरा करने के लिए सिर्फ पानी ही नहीं, बल्कि इलेक्ट्रोलाइट्स और फ्लूइड्स से भरपूर ड्रिंक्स और भोजन भी मदद करते हैं। उदाहरण के लिए खीरे में 95त्न तक पानी होता है। तरबूज, संतरा और छाछ में पानी ही नहीं, जरूरी मिनरल्स भी होते हैं। ये पानी के साथ मिलकर कोशिकाओं के कामकाज और तापमान नियंत्रण में मदद करते हैं।मिथक 6ः मानसून में ठंडा पानी पीने से गला खराब होता हैसच्चाईः ठंडा पानी पीना सीधे तौर पर कभी किसी संक्रमण या सर्दी-जुकाम का कारण नहीं होता है। बीमारियां वायरस और बैक्टीरिया से होती हैं, न कि पानी के ठंडे तापमान से होती हैं। जब तक आपका शरीर ठंडा पानी सहन कर पा रहा है और आपको इससे कोई परेशानी नहीं हो रही है, तब तक इसे पीना पूरी तरह सुरक्षित है।

अब यूजर्स UPI के जरिए निकाल सकते हैं गोल्ड लोन या FD का पैसा, जानें कैसे?

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने यूपीआई के जरिए पेमेंट करने के नियम में बड़ा बदलाव किया है। अब यूजर्स गोल्ड लोन, बिजनेस लोन और एफडी की रकम भी यूपीआई के जरिए कहीं भेज सकते हैं। लोन अकाउंट को यूपीआई अकाउंट से भी लिंक किया जा सकेगा। सरकार द्वारा यूपीआई यूजर्स को अच्छी खबर दी गई है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने यूपीआई के जरिए पेमेंट करने के नियम में बड़ा बदलाव किया है। अब यूजर्स गोल्ड लोन, बिजनेस लोन और एफडी की रकम भी यूपीआई के जरिए कहीं भेज सकते हैं। लोन अकाउंट को यूपीआई अकाउंट से भी लिंक किया जा सकेगा। इससे आप क्रेडिट कार्ड से लेकर बिजनेस लोन तक का पेमेंट क्aytm, Phonepe, Google pay और UPI ऐप से कर सकेंगे। ये नियम 1 सितंबर 2025 से लागू होगा। बिना बैंक जाए ही निकाल पाएंगे पैसा पेमेंट करने के तरीके को और आसान और सिक्योर बनाने के लिए NPCI ने हाल ही में कई अहम फैसले लिए। अब एक बार फिर से पेमेंट करने के दायरे को बढ़ाने का ऐलान किया गया है। फिलहाल यूपीआई यूजर्स केवल सेविंग्स अकाउंट या ओवरड्राफ्ट अकाउंट ही यूपीआई से लिंक कर सकेंगे। इनके जरए ही पेमेंट किया जा सकेगा, कुछ RuPay क्रेडिट कार्ड को भी यूपीआई से जोड़ा गया है, लेकिन इसकी संख्या कम है। अब नए नियम के साथ, ग्राहक बिना बैंक जाए गोल्ड लोन और पर्सनल लोन का पैसा ऑनलाइन निकाल सकेंगे। यूपीआई के मौजूदा नियमों में क्क2रूमनी ट्रांसफर की सुविधा है, लेकिन नए नियम के लागू होने के साथ क्क2क्क के साथ-साथ क्क2क्क ट्रांजेक्शन भी कर सकेंगे। इतना ही आप कैश भी निकाल सकेंगे। हालांकि, NPCI ने इसके लिए कुछ नियम भी तय किए ह

गर्मियों में इस तरह से करेंगी आइस फेशियल तो चेहरे पर आएगा ग्लो, टैनिंग भी होगी खत्म

ऐसे में लोग घरेलू उपाय करना ज्यादा सही समझते हैं। भले ही यह हमारी त्वचा असर नहीं करते हैं, लेकिन इसका बुरा प्रभाव भी नहीं होता है। यह घरेलू नुस्खे हमारी सुंदरता को निखारने का काम करते हैं। ऐसे में आज हम आपको गर्मियों में आइस फेशियल के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। गर्मियों में तेज धूप, धूल-मिट्टी और पसीने के कारण त्वचा अपना नेचुरल ग्लो खोने लगती है। वहीं तेज धूप की वजह से त्वचा पर डार्कनेस और टैनिंग होना आम बात है। ऐसे में गर्मियों में स्किन को अधिक फ्रेश और ग्लोइंग बनाए रखना पड़ता है, जिससे कि त्वचा पर किसी तरह का कोई प्रॉब्लम नहीं हो। वहीं स्किन केयर के लिए हम सभी महंगे-महंगे ट्रीटमेंट लेने लगते हैं। लेकिन कई बार यह उपाय असरकारी नहीं होता है। क्योंकि मार्केट में मिलने वाले इन ब्यूटी प्रोडक्ट्स में केमिकल रहता है। जिसका त्वचा पर भी निगेटिव असर देखने को मिलता है। ऐसे में लोग घरेलू उपाय करना ज्यादा सही समझते हैं। भले ही यह हमारी त्वचा असर नहीं करते हैं, लेकिन इसका बुरा प्रभाव भी नहीं होता है। यह घरेलू नुस्खे हमारी सुंदरता को निखारने का काम करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गर्मियों में आइस फेशियल के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। चेहरे पर अप्लाई करेंगी ये 3 चीजें तो गर्मियों में भी ग्लो करेगी स्किन, चांद सा खिल उठेगा चेहरा

आईस फेशियल के फायदे

ओपन पोर्स करे बंद आइस फेशियल से हमारे ओपन पोर्स बंद हो जाती है। जिससे त्वचा पर पिंपल्स और दाने निकलने जैसी समस्या नहीं होती है। साथ ही इससे हमारी त्वचा स्मॉटलेस रहने के साथ ग्लो भी करती है। गर्मियों में अक्सर फेस को पोर्स ओपन होने की समस्या आती है। ऐसे में आइस फेशियल से यह पोर्स बंद होने लगते हैं और फेस का ऑयल भी कंट्रोल होता है।

जलन और दर्द में राहत

गर्मियों में फेस पर पिंपल्स और धूल मिट्टी की वजह से दर्द और जलन होने लगती है। ऐसे में आइस फेशियल से दाने में होने वाले दर्द, खुजली और जलन से राहत मिलती है। वहीं आइस फेशियल से ब्लड सर्कुलेशन तेजी से होता है और त्वचा संबंधी सभी तरह की परेशानियां दूर होने लगती हैं। पफीनेस होती है कम कुछ लोगों के चेहरे पर सुबह उठने के बाद पफीनेस यानी की स्वेलिंग नजर आती है। ऐसे में आइस फेशियल की मदद से फेस की पफीनेस को दूर किया जा सकता है। आप बर्फ को आंखों के नीचे रगड़ें, जहां पर सूजन दिखती हो।

मेहमानों के लिए घर पर बनाएं हलवाई जैसा मक्खन वड़ा, यहां देखिए आसान रेसिपी

हर रोज नाश्ते में कुछ नया और अच्छा खाने का मन करता है। अगर आप कुछ नया ढूंढ रही हैं, तो आप मक्खन वड़ा अपनी लिस्ट में शामिल कर सकती हैं। आमतौर पर मक्खन वड़ा को शाम के स्नैक्स के तौर खाया जाता है।

हर रोज नाश्ते में कुछ नया और अच्छा खाने का मन करता है। अगर आप कुछ नया ढूंढ रही हैं, तो आप मक्खन वड़ा अपनी लिस्ट में शामिल कर सकती हैं। आमतौर पर मक्खन वड़ा को शाम के स्नैक्स के तौर खाया जाता है। लेकिन खास अवसरों, त्योहारों और मेहमानों के स्वागत में भी सर्व कर सकते हैं। खास बात यह है कि इसको बनाने के लिए कोई एक्स्ट्रा सामग्रियों की जरूरत नहीं होगी, जैसे मक्खन, उड़द दाल और कुछ मसाले आदि। इस वड़े बनाते समय मक्खन के इस्तेमाल से इसका स्वाद अधिक खास हो जाता है। वहीं जब यह गरमा-गरम तेल में तला जाता है, तो इसकी खशबू सबका मन मोह लेती है। हालांकि बहुत लोगों को लगता है कि हलवाई जैसे वड़े घर पर बनाना काफी मुश्किल है। लेकिन सही सामान, थोड़ी समझदारी और एक आसान विधि से आप अपनी किचन में वहीं स्वाद ला सकती हैं। खासकर जब सुबह-सुबह कुछ खास परोसना हो या संडे ब्रंच में कुछ हटके बनाना चाहती हैं, तो इसको ट्राई किया जा सकता है। इन तरीकों से पता करें नारियल में पानी ज्यादा है या मलाई, मिनटों में कर लेंगे पहचान

सामग्री

उड़द की दाल- 1 कप, काली मिर्च- आधा छोटा चम्मच, हरी मिर्च- 2 बारीक कटा हुआ , अदरक- आधा चम्मच, करी पत्ता- 2, हरा धनिया- 1 चम्मच, मक्खन- आधा कप , तेल- फाई करने के लिए, नमक - स्वादानुसार,

मक्खन वड़ा की विधि सबसे पहले बताई गई सामग्रियों को तैयार कर लें। फिर उड़द दाल को भिगोकर रख दें। अब इसमें थोड़ा सा पानी डालकर मिक्सी में बारीक पेस्ट बना लें। पेस्ट थोड़ा मोटा और गाढ़ा होना चाहिए।

पिसी हुई दाल को एक बाउल में निकाल लें। फिर इसमें काली मिर्च, अदरक, हरी मिर्च, मक्खन, करी पत्ता और हरी धनिया डालकर मिलाएं। आखिरी में इसमें नमक डाल दें और फिर हल्के हाथों में चम्मच की सहायता से मिलाएं। इसको बाद हाथों को गीला करें और बीच में अंगूठे से छोटा सा छेद करें। जिससे कि वह वड़ा जैसा दिखे। सारे ऐसा करके रख लें। फिर कड़ाही में तेल गर्म करने के लिए रख दें। अब एक-एक करके पाव कड़ाही में डालें। क्रिस्पी होने तक पकाएं और एक टिश्यू पेपर पर निकाल लें। ऊपर से मक्खन खूब ढेर सारा मक्खन डालें। नारियल की चटनी या सांभर के गरमा-गरम सर्व करें।

विटामिन ए पिलाकर किया दस्तक अभियान शुभारंभ

16 सितंबर तक चलेगा अभियान, लगभग दो लाख 11 हजार बच्चों का होगा परीक्षण

निज संवाददाता

भिण्ड। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संचालित दस्तक अभियान का शुभारंभ कलेक्टर भिण्ड संजीव श्रीवास्तव ने जिला अस्पताल भिण्ड स्थित एनआरसी सेंटर में किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेएस यादव, सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरएन राजौरिया एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. गौरव भटनागर विशेष रूप से उपस्थित रहे।दस्तक अभियान का उद्देश्य शून्य से 5 वर्ष तक के बच्चों में मीजल्स, डायरिया, न्यूमोनिया, एनीमिया, कुपोषण, टीबी तथा अन्य बचपन की जानलेवा बीमारियों की शीघ्र पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करना है। इसके अतिरिक्त टीकाकरण की स्थिति, विटामिन-ए की खुराक, आयरन सिरप, ओआरएस, जिंक वितरण और अभिभावकों को स्वास्थ्य शिक्षा देना भी प्रमुख घटक है। कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने निर्देशित किया कि समस्त संबंधित विभाग व स्वास्थ्य विभाग द्वारा उक्त अभियान की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए तथा दस्तक अभियान के दौरान पाए गए गंभीर कुपोषित बच्चों को उपचार के लिए पोषण पुनर्वास केन्द्रों में भर्ती करवाया जाए। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र नरवरिया ने कार्यक्रम में दस्तक अभियान को बाल स्वास्थ्य सुधार की दिशा में एक सशक्त पहल बताया तथा जन सहभागिता से इस सफल बनाने का आव्हान किया। सीएमएचओ डॉ. जेएस यादव ने बताया कि इस अभियान में लगभग दो लाख 11 हजार बच्चों का परीक्षण किया जाएगा, जिसके लिए जिले की समस्त 2452 आंगनबाड़ी केन्द्र पर मंगलवार व शुक्रवार को सत्रों का संचालन होगा, मॉप-अप दिवस में ड्यूलिस्ट अनुसार छूटे हुए बच्चों हेतु गृहभेंट की जाएगी एवं 5 वर्ष तक के बच्चों को 2 पैकेट ओआरएस व 14 जिंक की गोलियां उपलब्ध करायी जाएंगी। जिले में उक्त अभियान हेतु 196 कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ), 266 एएनएम, 32 ब्लॉक सुपर वाईजर तथा जिले से 6 इंटरनल मॉनिटर नियुक्त किए गए हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. गौरव भटनागर ने बताया कि यह अभियान आगामी 16 सितंबर तक महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत बाल एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने, बाल्यकालीन बीमारियों की रोकथाम, 5 वर्ष तक के बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण की सेवाऐं देने के उद्देश्य से दस्तक अभियान संचालित किया जाएगा।

कलेक्टर ने अस्पताल का किया निरीक्षण

कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने जिला चिकित्सालय परिसर में वार्डों, रसोई घर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने रसोई घर निरीक्षण के दौरान मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता को परखा। निरीक्षण के दौरान भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई बेहतर पाई गई। उन्होंने निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय में कार्य कर रहे सभी कर्मचारियों को ड्रेस कोड में रहने के निर्देश दिए।

रुद्र अभिषेक के साथ शुरु होती है शिवमहापुराण कथा

निज संवाददाता

मेहगांव। नगर के प्राचीन खेड़ापति हनुमान दरबार पर आयोजित 21 दिवसीय शिवमहापुराण कथा के 11वें दिवस कथा श्रवण कराते हुए कथा वाचक पंडित आशीष शास्त्री ने कहा भगवान शिव को बेलपत्र विशेष प्रिय हैं, क्योंकि पौराणिक कथाओं के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को अपने पति रूप में प्राप्त करने के लिए तपस्या की। इसी के साथ उपवास रख कर शिवलिंग को बेलपत्र चढ़ाकर पूजा किया करती थीं। उन्होंने कहा कि कई विद्वानों का कहना की माता सती के आंसुओं से बेलपत्र की उत्पति हुई है। बेलपत्र को माता का रूप माना जाता है। इसलिए अधिक प्रिय है और जो भी व्यक्ति सावन के माह में बेलपत्र चढ़ाता है, वह निरोगी बन जाता। कथा स्थल पर कथा आयोजक संत शांतिदास महाराज के साथ फक्कड़ बाबा आदि लोग उपस्थित रहे।

असवार में गुस्साए किसानों ने बिजली घर घेरा

पांच घंटे बिजली देने के फैसले से नाराज थे किसान

निज संवाददाता

भिण्ड। जिले के असवार क्षेत्र के सिर्फ पांच घंटे बिजली देने के फैसले से नाराज किसानों ने मंगलवार दोपहर असवार विद्युत उप केन्द्र पर ताला जड़कर बिजली सप्लाई को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने बिजली कर्मचारियों को ऑफिस से बाहर निकाल दिया और तालाबंदी कर दी। किसानों ने कहा कि जब तक सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली नहीं मिलेगी, तब तक सब स्टेशन नहीं खुलेगा।प्रदर्शन के दौरान किसानों ने कहा कि वे पूरा बिजली बिल चुका रहे हैं, लेकिन उन्हें आधी बिजली दी जा रही है। इस पर डीजीएम लक्ष्मी सोमनानी मौके पर पहुंचीं और किसानों से चर्चा की। उन्होंने कहा नई लाइन का टेस्टिंग चल रहा है, समस्या का हल निकाल लिया गया है। कल से 10 घंटे बिजली सप्लाई दी जाएगी। अधिकारियों के आश्वासन के बावजूद किसानों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर 48 घंटे में बिजली सप्लाई नहीं सुधरी, तो वे चक्काजाम और बड़ा प्रदर्शन करेंगे। बिजली कर्मचारियों ने बताया कि आलमपुर क्षेत्र से आने वाली 33 केवी लाइन ओवरलोड होने के कारण आलमपुर और दबोह क्षेत्र में लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। इसी कारण असवार, रावतपुरा और बरऊआ क्षेत्र के लिए नई 33 केवी लाइन बिछाई जा रही है। फिलहाल इसका टेस्टिंग पीरियड चल रहा है। इसी बीच विभाग ने पंप कनेक्शन वाले इलाकों में सप्लाई घटाकर सिर्फ 5 घंटे कर दी गई है, जिससे धान की फसल को नुकसान होने लगा और किसान नाराज हो गए।

इन गांवों के किसान रहे शामिल

प्रदर्शन में असवार, जलालपुरा, खोडन, इगुई, सुजानपुरा, वघावली, डूंडा, लोटमपुरा, निसार, करियावली, सिकरी, चिरूली, चोरी, जैतपुरा, देवरी, महुआ और अखदेवा गांवों के किसान शामिल हुए। किसानों के साथ ऋषिकांत त्यागी, भूपेंद्र सिंह सरपंच चिरूली, अनूप त्यागी भाजपा मंडल अध्यक्ष असवार, रामवीर त्यागी, शिवकुमार सीरौठिया, मंजू निरंजन, महेंद्र तोमर, मंगल तोमर, पुष्पराज, रविकांत त्यागी, संतोष बौहरे, गिरिजेश त्यागी, अटल त्यागी सहित कई अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

एसपी ने बताए नशा से होने वाले दुष्परिणाम

नशा मुक्ति जन जागृति अभियान कार्यक्रम आयोजित

निज संवाददाता

भिण्ड। नशे से दूरी है जरूरी के तहत मंगलवार को शहर के मुख्य बाजार गोल मार्केट पर जैन मिलन अरिहंत समिति जिसमें मुख्य रूप से अजीत जैन, पार्षद राहुल जैन, सुनील जैन व समित के अन्य सदस्यों के सहयोग से श्रमिकों हेतु नशा मुक्ति जन जागृति अभियान का आयोजन किया गया।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव द्वारा सभी श्रमिक वर्ग को नशे से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में समझाइश दी गई, साथ ही नशा न करने के संबंध में शपथ दिलाई गई। मजदूर संघ के अध्यक्ष नरेश भटनागर एवं जैन मिलन अरिहंत समिति से अजीत जैन, राहुल जैन द्वारा भिंड पुलिस को आश्वस्त किया कि इस अभियान में सहयोग पूर्ण सहयोग करेंगे।दूसरा कार्यक्रम अग्रवाल विद्या मंदिर भूता बाजार भिण्ड में संपन्न हुआ, जिसमें नशे से दूरी, है जरूरी अभियान के लिए पुलिस अधीक्षक भिण्ड डॉ. असित यादव एवं खिलाड़ी एवं कोच राधे गोपाल यादव एवं अंतर्राष्ट्रीय पेरा केनोइंग खिलाड़ी पूजा ओझा के नशे के विरुद्ध वीडियो संदेश कार्यक्रम में एवं शहर के मुख्य चौराहों पर एवं अन्य सार्वजनिक स्थान पर प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

इसके साथ ही दो नशा पीड़ित व्यक्तियों की नशा छोड़ने के बाद मोटिवेशनल स्टोरी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी शेयर एवं प्रसारित किया गया।तत्पश्चात वक्ताओं में विद्यालय की छात्रा कु. शिवांगी राजावत कक्षा 9 द्वारा नशे के दुष्प्रभाव पर स्पीच दिया गया, साथ ही मंचासीन वक्ताओं सुबेदार आदित्य मिश्रा, यातायात प्रभारी निरीक्षक राघवेन्द्र भार्गव, रक्षित निरीक्षक अरविन्द सिंह सिकरवार, प्रो. इकबाल अली, प्रो. रामानंद शर्मा, विद्यालय की प्राचार्या नीति अग्रवाल ने भी नशे के विरुद्ध अपने सारगर्भित वक्तव्य दिए। अंत में कार्यक्रम में उपस्थित छात्र छात्राओं अध्यापकों, पुलिस कर्मियों को रक्षित निरीक्षक अरविंद सिंह सिकरवार के द्वारा नशा न करने और लोगों को नशे के विरुद्ध जागृत करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार प्रदर्शन रामानन्द शर्मा द्वारा गया। दोनों कार्यक्रम का संचालन रक्षित निरीक्षक अरविंद सिंह सिकरवार द्वारा किया गया व कार्यक्रम की रूपरेखा सूबेदार आदित्य मिश्रा द्वारा तैयार की गई। कार्यक्रम में रक्षित निरीक्षक अरविंद सिंह सिकरवार, कोतवाली थाना प्रभारी बृजेंद्र सेंगर, सूबेदार आदित्य मिश्रा, उप निरीक्षक शहजाद खान, प्रधान आरक्षक रामकुमार पाण्डेय, मृगेंद्र सिंह एवं गौरव मिश्रा तथा आरक्षक भूपेंद्र राजावत, प्रशांत सिंह आदि मौजूद रहे।

युवा संगम रोजगार मेला आज

निज संवाददाता

भिण्ड। मप्र शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं रोजगार कार्यालय, आईटीआई तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र भिण्ड द्वारा युवा संगम (रोजगार मेला, अप्रेंटिस मेला तथा स्वरोजगार मेला) का आयोजन 23 जुलाई को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक शासकीय आईटीआई भिण्ड में किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी भिण्ड ने बताया कि रोजगार मेला में एलआईसी भिण्ड, शिव शक्ति बायोटेक गुजरात, पुखराज हेल्थ केयर ग्वालियर, नौकरी फाई डाट कॉम भिण्ड, एक्सिस बैंक गुडगांव, एसआईएस सिक्यूरिटी, सावरिया वायो फर्टिलाइजर्स भिवाड़ी, गोतम सोलर प्रालि भिवानी, मिम वरन प्रालि हरियाणा, क्विक आईटी सांल्यूशन इन कंसल्टेसी ग्वालियर, कोसमोस प्रालि औरगाबाद सहित अन्य संभावित कंपनियां भाग ले रही हैं। बेरोजगार युवक, युवतियां मेले में शैक्षिक योग्यता 10वीं, 12वीं एवं स्नातक पुरूष एवं महिला आयु 18 से 40 वर्ष तक अभ्यर्थी सम्मिलित हो सकते हैं। आवेदक साक्षात्कार के समय 10वीं/ 12वीं एवं स्नातक की मूल अंकसूची एवं अपने समस्त मूल प्रमाण पत्र सहित एवं पासपोर्ट साइज के तीन फोटोग्राफ लेकर आएं। मेले में भाग लेने हेतु कोई पंजीयन शुल्क नहीं है।

श्रावण मास में शिवजी की पूजा का विशेष महत्व : रामदास महाराज

मंगलवार को दंदरौआ धाम में डॉक्टर हनुमान के दर्शन के लिए उमडे श्रद्धालु

निज संवाददाता

भिण्ड। जिले के सबसे बड़े धार्मिक स्थल दंदरौआधाम में मंगलवार को डॉक्टर हनुमान के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु दंदरौआ धाम पहुंचे। उन्होंने डॉक्टर हनुमान के दर्शन करते हुए महंत महामंडलेश्वर रामदास महाराज से आशीर्वाद लिया।महाराज ने श्रद्धालुओं को श्रावण मास के महीने का महत्व बताते हुए कहा कि श्रावण मास का महीना गुरु पूर्णिमा के बाद में आता है यह महीना महादेव की पूजा अर्चना के लिए विशेष महत्व रखता है इस महीने में दंदरौआधाम में डॉक्टर हनुमान के लिए श्रद्धालुओं दर्शन करने बहुत बड़ी संख्या में आ रहे हैं क्योंकि शंकर सुमन केसरी नंदन है भगवान शंकर जी ही हनुमान जी महाराज है इसलिए सोमवार को भगवान शंकर जी का दिन है इस महीने शिव जी का अभिषेक करें और पूजा अर्चना करके साथ ही मंगलवार को डॉ हनुमान जी महाराज के दर्शन कर पुण्य लाभ श्रद्धालुगण ले। उन्होंने बताया कि डॉक्टर हनुमान जी महाराज का चमत्कार दंदरौआ धाम के आश्रम का एक शिष्य श्याम शर्मा (पप्पू बाबा) बड़ागांव मुरैना का रहने वाला है अभी वर्तमान में दीनदयाल नगर ग्वालियर के आश्रम में रात को सो रहा था तभी रात के करीब दो बजे एक जहरीले सांप ने उसे दो जगह काट लिया तो उस शिष्य को ग्वालियर के अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन डॉक्टरों ने बताया कि महाराज जी इसका उपचार होना मुश्किल है क्योंकि सांप बहुत ही जहरीला था शिष्य का शरीर धीरे-धीरे ठंडा पड़ता जा रहा था तभी महाराज जी ने डॉक्टर हनुमान की भभूति एवं झाड़ लगाया तो शिष्य का आधे घंटे बाद ही शरीर गर्म होने लगा और और वह धीरे-धीरे स्वस्थ होने लगा लगभग 5 दिन बाद स्वस्थ होकर डॉ हनुमान जी महाराज के दर्शन करके मंहत श्री रामदास जी महाराज जी से आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि सावन महीने में गंगाजल चढ़ाने का एवं कांवर चढ़ाने का विशेष महत्व है सोमवार को भगवान शंकर का अभिषेक करें और मंगलवार को हनुमान जी महाराज का अभिषेक करने से पुण्य लाभ मिलता है और हनुमान जी महाराज का चोला चढ़ाने का भी विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि दंदरौआधाम की सभी सड़कों पर वाहनो से जाम लग जाता है जिसके धाम के आसपास की सभी सड़कों का चौड़ीकरण होना आवश्यक है। इस मौके पर रामबरन पुजारी, जलज त्रिपाठी, नरसी दद्दा, राम निहोरे जोशी सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

रंजिश के चलते युवक से मारपीट कर किया कट्टे फायर

- तीन आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज

निज संवाददाता

भिण्ड। जिले के देहात थाना क्षेत्रांतर्गत रंजिश के चलते तीन आरोपियों ने युवक के साथ मारपीट कर कट्टे से हवाई फायर कर दिया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर 115(2), 296, 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार फरियादी सुंदरम उर्फ विट्टू सिंह पुत्र बंटीसिंह राजावत उम्र 19 साल निवासी धर्मनगर वार्ड क्र.9 भिण्ड ने पुलिस को बताया कि सोमवार की शाम को आरोपीगण आलोक भदौरिया एवं सत्यम राजावत निवासीगण पार्क मोहल्ला भिण्ड, मयंक राजावत निवासी बीटीआई भिण्ड ने पुरानी रंजिश के चलते उसे महावीर नगर बीटीआई ग्राउण्ड के पास घेर लिया और गाली गलौज करने लगे। जब फरियादी ने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की जान से मारने की धमकी दी और आरोपी मंयक ने कमर से देशी कट्टा निकालकर फायर किया, जिससे फरियादी की जीवन संकट में पड़ गया।

आबकारी ठेकेदार के भाई पर हमला, कार रोककर डंडे बरसाए

रास्ता रोक धमकाने वाले 8 आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज

निज संवाददाता

भिण्ड। जिले के दबोह थाना क्षेत्र में आबकारी ठेकेदार के भाई को बाइक सवार लोगों ने घेर लिया। कार रुकवाकर गाली-गलौच करते हुए डंडों से मारपीट की और कार में भी तोडफ़ोड़ कर दी। पीड़ित ने सोने की चेन लूटने की बात भी कही है। थाना पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर से आठ आरोपियों के खिलाफ धारा 126(2), 296 , 351(3), 190 , 190(1), 191(2), 324(4) बी.एन.एस. के तहत अपराध क्रमांक 114/25 पंजीबद्ध कर मामले की जांच आरंभ कर दी है।जानकारी के मुताबिक फरियादी आशीष शिवहरे निवासी झांसी रोड बल्ला का डेरा डबरा, हाल निवासी दबोह ने बताया कि वह 20 जुलाई की रात करीब 10 बजे गाड़ी क्रमांक एमपी 07 जेडआर 1929 से लहार से दबोह लौट रहे थे। तभी बजाज एजेंसी के पास बाइकों पर सवार होकर आए आकाश शिवहरे, मोहित शिवहरे, विनय गुप्ता, बिक्की शिवहरे निवासीगण दबोह, गोटीराम यादव, मस्ती यादव, गोलू यादव, सुमित यादव निवासीगण सिगोंसा थाना दबोह ने उनकी कार को घेर लिया और जबरन गाड़ी से नीचे उतारा, गालियां दीं, जान से मारने की धमकी दी और डंडों से हमला कर दिया। हमले में गाड़ी के डोर, डोरवाइजर और बॉडी को काफी नुकसान पहुंचा है।

द्वेष के कारण किया हमला

आशीष शिवहरे के अनुसार उनके भाई सतीश शिवहरे के नाम पर लहार क्षेत्र में शराब की दुकानें हैं। इस बार टेंडर उनके ग्रुप को मिला है, जबकि पूर्व में यह टेंडर अशोक शिवहरे के परिजन लिया करते थे। आशीष का आरोप है कि टेंडर न मिलने से बौखलाए लोगों ने यह हमला कराया। दूसरी ओर अशोक शिवहरे ने एक वीडियो बयान जारी कर हमले के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि यह पूरी घटना मनगढ़ंत है और उन्हें बदनाम करने की साजिश रची जा रही है।

सूने मकान का ताला तोड़कर पांच लाख का माल उड़ाया

मकान मालिक परिवार सहित बाहर गए थे, वापस आने पर की शिकायत

निज संवाददाता

भिण्ड। शहर के महावीरगंज इलाके में रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर मकान से करीब 5 लाख रुपए कीमत के जेवर, नकदी और कीमती सामान चुरा ले गए।जानकारी के अनुसार मकान सूना था। मकान मालिक एक निजी स्कूल के प्राचार्य डॉ. प्रभात पाठक अपने परिवार के साथ भोपाल में बेटे के एमबीए एडमिशन की प्रक्रिया में शामिल होने गए थे। सोमवार शाम पड़ोसियों ने घर के ताले टूटे देखे और फोन पर परिवार को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिवार मंगलवार सुबह भिंड लौटा और कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद थाना प्रभारी बृजेन्द्र सिंह सेंगर मौके पर पहुंचे और डॉग स्क्वाड व फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की मदद से घटनास्थल की बारीकी से जांच की। टीम ने घर से साक्ष्य जुटाए और इलाके की पड़ताल की। प्राचार्य की पत्नी कीर्ति पाठक ने बताया कि चोरों ने घर की अलमारियों को तोड़कर गहने, नकदी, इलेक्ट्रॉनिक सामान और भगवान की मूर्तियां तक चुरा लीं। बताया गया है कि चोरों ने पास ही स्थित एक अन्य मकान में भी ताले तोडने का प्रयास किया, लेकिन पड़ोसियों की आहट पाकर भाग निकले। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

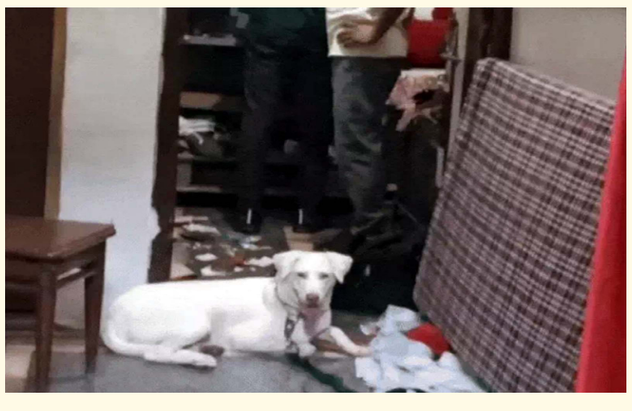

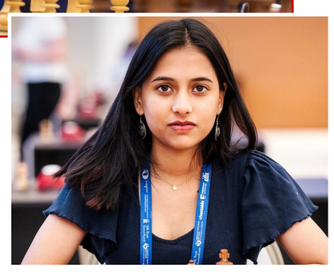

पांच साल की उम्र से शतरंज खेल रहीं दिव्या देशमुख, 2021 में महिला ग्रैंडमास्टर का खिताब जीता

नई दिल्ली। नौ दिसंबर 2005 को नागपुर में जन्मीं दिव्या ने पांच साल की उम्र से शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उनके माता-पिता डॉक्टर हैं। उनके पिता का नाम जितेंद्र और माता का नाम नम्रता है। अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख महिला शतरंज विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन से एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं। 19 साल की दिव्या ने इस टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और टाईब्रेकर में हमवतन द्रोणावल्ली हरिका को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दिलचस्प बात यह है कि दिव्या पहली बार विश्व कप में हिस्सा ले रही हैं।

नौ दिसंबर 2005 को नागपुर में जन्मीं दिव्या ने पांच साल की उम्र से शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उनके माता-पिता डॉक्टर हैं। उनके पिता का नाम जितेंद्र और माता का नाम नम्रता है। दिव्या ने 2012 में सात साल की उम्र में अंडर-7 नेशनल चैंपियनशिप जीती। इसके बाद उन्होंने अंडर-10 (डरबन, 2014) और अंडर-12 (ब्राजील, 2017) कैटेगरी में विश्व युवा खिताब भी जीते। इसके बाद 2014 में डरबन में आयोजित अंडर-10 वर्ल्ड यूथ टाइटल और 2017 में ब्राजील में अंडर-12 कैटेगरी में भी खिताब अपने नाम किए। उनकी निरंतर प्रगति ने उन्हें 2021 में महिला ग्रैंडमास्टर बना दिया और इसके साथ ही वह विदर्भ की पहली और देश की 22वीं महिला खिलाड़ी बनीं जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। दिव्या ने 2023 में इंटरनेशनल मास्टर का खिताब भी प्राप्त कर लिया। 2024 में उन्होंने विश्व जूनियर गर्ल्स अंडर-20 चैंपियनशिप में भी परचम लहराया, जहां उन्होंने 11 में से 10 अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके अलावा, 45वें चेस ओलंपियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में भी उनकी अहम भूमिका रही। दिव्या एशियाई जूनियर चैंपियन भी हैं। दिव्या शतरंज की दुनिया में अब जाना-पहचाना नाम है।

दिव्या देशमुख इस साल फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम शतरंज चैंपियनशिप में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी होउ यिफान को मात दे चुकी हैं। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनकी तारीफ की थी। दिव्या ने 10 से 16 जून को लंदन में आयोजित फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप के सेमीफाइनल के दूसरे चरण में चीन की यिफान को हराया था। दिव्या के करियर की यह सबसे बड़ी जीत में से एक है। ओलंपियाड में तीन स्वर्ण, कई एशियाई और विश्व युवा खिताब। चेन्नई में शतरंज गुरुकुल में जीएम आरबी रमेश के तहत प्रशिक्षित दिव्या को उनकी तेज सामरिक दृष्टि, अडिग धैर्य और रचनात्मक प्रतिभा के लिए सराहा जाता है। दिव्या के पास अब कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने का मौका है। महिला विश्व कप में शामिल शीर्ष तीन खिलाड़ियों को कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में प्रवेश मिलना है। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का विजेता विश्व चैंपियन को चुनौती देता है। दिव्या की मौजूदा फिड रेटिंग 2463 है और वह भारतीय महिला शतरंज खिलाड़ियों में चौथे स्थान पर हैं।

रवि शास्त्री को भरोसा, सुंदर के पास भविष्य में बेहतरीन ऑलराउंडर बनने की क्षमता

खेल एजेंसी

दुबई। शास्त्री ने सुंदर के धैर्य, तकनीकी कौशल और बहुमुखी प्रतिभा की प्रशंसा की और खेल के सबसे लंबे प्रारूप में उनके सफल होने की क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने वाशिंगटन सुंदर की सराहना की है और कहा कि भविष्य में वह भारत के बेहतरीन ऑलराउंडर बन सकते हैं। शास्त्री का कहना है कि सुंदर घरेलू परिस्थितियों में गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन करने के साथ नैसर्गिक रूप से प्रतिभाशाली बल्लेबाज भी है। शास्त्री ने सुंदर के धैर्य, तकनीकी कौशल और बहुमुखी प्रतिभा की प्रशंसा की और खेल के सबसे लंबे प्रारूप में उनके सफल होने की क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2021 में ब्रिसबेन में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने वाले 25 वर्षीय ऑफ स्पिनर वाशिंगटन को उसके बाद इस प्रारूप में बहुत अधिक मौके नहीं मिले हैं। उन्होंने अब तक 11 टेस्ट मैच में 545 रन बनाए हैं और 30 विकेट लिए हैं। शास्त्री का मानना है कि वाशिंगटन को विशेषकर भारत की टर्निंग पिचों पर लाल गेंद से अधिक मैच खेलने चाहिए थे। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा, मुझे शुरू से ही वाशिंगटन का खेल पसंद रहा है। जब मैंने उसे पहली बार देखा तो मैंने कहा था कि वह कमाल का खिलाड़ी है और उसमें कई वर्षों तक भारत का सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर बनने की क्षमता है। वह अभी सिर्फ 25 साल का है। मुझे लगता है कि उसे और ज्यादा टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिए था। भारत में जहां गेंद टर्न ले रही हो, वहां वह घातक साबित हो सकता है, जैसा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ उसने प्रदर्शन किया था।

हैरी ब्रूक ने भारत के जख्मों पर छिड़का नमक, बोले- सीरीज में विवाद से इंग्लैंड को हुआ फायदा

खेल एजेंसी

मैनचेस्टर। एक ओर जहां भारत नए जोश के साथ उतरने के लिए तैयार है, वहीं इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने मैच से पहले उसके जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है। ब्रूक का मानना है कि लॉर्ड्स टेस्ट में भारतीय खिलाड़ियों के साथ मैदान पर हुई छींटाकशी से उनकी टीम को फायदा पहुंचा था। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में मिली हार को भुलाकर बुधवार से मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट मैच में उतरेगी। भारत लॉर्ड्स टेस्ट में अच्छी स्थिति में था, लेकिन पांचवें दिन आसान सा लक्ष्य हासिल नहीं कर सका और उसे 22 रनों से हार मिली। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे चल रही है और अब उसकी नजरें वापसी करने पर टिकी हुई हैं। एक ओर जहां भारत नए जोश के साथ उतरने के लिए तैयार है, वहीं इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने मैच से पहले उसके जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है। ब्रूक का मानना है कि लॉर्ड्स टेस्ट में भारतीय खिलाड़ियों के साथ मैदान पर हुई छींटाकशी से उनकी टीम को फायदा पहुंचा था। दरअसल, तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन जब खेल समाप्ति की ओर था तब भारतीय खिलाड़ियों के साथ जैक क्राउली और बेन डकेट की बहस हो गई थी। मामला उस वक्त बढ़ा जब जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी कर रहे थे और क्राउली उनका सामना करने के बजाए समय बर्बाद कर रहे थे। इससे कप्तान शुभमन गिल सहित अन्य भारतीय खिलाड़ी भड़क गए और उन्हें व्यंग्यात्मक ढंग से क्राउली के लिए ताली बजाई। इससे माहौल गर्म हो गया था। मैनचेस्टर टेस्ट से पहले ब्रूक से इस विवाद के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, मुझे बहुत सारी प्रशंसा मिली है। सभी ने कहा कि यह देखना शानदार था। जब हम फील्डिंग कर रहे थे तब ऐसा लग रहा था कि यह 11 बनाम दो खिलाड़ी है। यह मजेदार था। मुझे स्वीकार करना होगा कि इसका मुझे फायदा होगा। फील्डिंग के दौरान हम पर थकान हावी हो रही थी लेकिन इसने मैच को मजेदार बना दिया। ब्रूक ने हालांकि जोर देकर कहा कि इस मामले में सीमाएं नहीं लांघी जाएंगी। उन्होंने कहा, हम खेल भावना के साथ जितना हो सके खेलने की कोशिश करते हैं। डकेट और क्राउली ने बुमराह के उस ओवर का सामना करने के लिए कड़ी मेहनत की थी। हां, मुझे लगता है कि इसने उन्हें थोड़ा और दबाव में डाल दिया। मुश्किल पिच पर कम स्कोर का पीछा करते समय

आकाश दीप नहीं खेले तो कौन लेगा प्लेइंग-11 में उनकी जगह? प्रसिद्ध और कंबोज दावेदार

खेल एजेंसी

मैनचेस्टर। भारत जहां मैनचेस्टर टेस्ट से सीरीज में बराबरी के इरादे से उतरेगा, वहीं खिलाड़ियों के चोटिल होने से उसके लिए समस्याएं बढ़ गई हैं। बुमराह के कार्यभार प्रबंध और आकाश दीप तथा अर्शदीप के चोटिल होने के कारण प्लेइंग-11 संयोजन को लेकर टीम प्रबंधन को काफी माथापच्ची करनी पड़ रही है। भारतीय टीम ने बुधवार से मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रहे चौथे टेस्ट मैच के लिए कमर कस ली है। भारत जहां इस मैच में बराबरी के इरादे से उतरेगा, वहीं खिलाड़ियों के चोटिल होने से उसके लिए समस्याएं बढ़ गई हैं। मैनचेस्टर टेस्ट से पहले ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाश दीप चोटिल हो गए हैं जिससे भारत के लिए प्लेइंग-11 की चुनौती कठिन हो गई है। आकाश दीप इस सीरीज के दूसरे मैच में खेलने उतरे थे और उस वक्त उन्हें जसप्रीत बुमराह की जगह प्लेइंग-11 में मौका दिया गया था। आकाश ने शानदार प्रदर्शन किया था और भारत की जीत में अहम योगदान दिया था। इसी कारण बुमराह के तीसरे टेस्ट में खेलने के बावजूद आकाश प्लेइंग-11 में जगह बरकरार रखने में सफल रहे थे और प्रसिद्ध कृष्णा को लॉर्ड्स टेस्ट में बाहर रखा गया था। बुमराह को लेकर स्थिति पहले से ही स्पष्ट है कि वह सीरीज के तीन मैच में ही खेलेंगे। ऐसे में खिलाड़ियों की चोट की समस्या को देखते हुए बुमराह का मैनचेस्टर में खेलना लगभग तय है। इसकी पुष्टि खुद मोहम्मद सिराज ने भी की है। अब सवाल यह उठता है कि अगर आकाश दीप मैच से पहले फिट नहीं हो सके तो उनकी जगह किसे प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है। आकाश ने मैच से पहले अभ्यास सत्र में कुछ गेंदबाजी की, लेकिन वह इससे संतुष्ट नहीं दिखे। आकाश की जगह एकादश में जगह बनाने के प्रसिद्ध और अंशुल कंबोज दावेदार हैं। प्रसिद्ध और कंबोज ने अभ्यास सत्र में पूरे दम से गेंदबाजी की, लेकिन फिजियो ने आकाश को नेट सत्र में गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कोच मोर्ने मोर्कल की निगरानी में मुख्य मैदान पर अपनी फिटनेस का मूल्यांकन करवाया था। वह हालांकि इसके बाद नेट सत्र के दौरान दर्शक बने रहे जहां उनके साथ अर्शदीप सिंह खड़े थे जो हाथ की चोट के कारण मैच से बाहर हो गए हैं। आकाश अगर अनफिट करार दिए जाते हैं तो टीम प्रबंधन को जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ तीसरे तेज गेंदबाज के लिए प्रसिद्ध कृष्णा या अंशुल कंबोज में से किसी एक को चुनना होगा। कंबोज चोटिल अर्शदीप के विकल्प के तौर पर टीम में शामिल हुए है, जिससे उनके अप्रत्याशित डेब्यू की संभावना बढ़ गई है। कंबोज ने गेंदबाजी के बाद शार्दुल ठाकुर के साथ बल्लेबाजी अभ्यास भी किया। शार्दुल को एकादश में नीतीश कुमार रेड्डी की जगह मिल सकती है। नेट सत्र के दौरान सिराज ने शुभमन गिल, केएल राहुल और ऋषभ पंत जैसे बल्लेबाजों के खिलाफ सबसे ज्यादा गेंदबाजी की, जबकि बुमराह ने नेट सत्र वाले स्थान पर फिसलन जैसी स्थिति के कारण मुख्य मैदान पर गेंदबाजी अभ्यास किया। अभ्यास सत्र में पंत ने सहजता से बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग का अभ्यास किया और चौथे टेस्ट के लिए फिट दिखे।

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के लिए घोषित की प्लेइंग-11

बशीर की जगह इस खिलाड़ी को मौका

खेल एजेंसी

मैनचेस्टर। इंग्लैंड ने इस मैच के लिए एक बदलाव किया है और ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की जगह लियाम डॉवसन को मौका दिया है। डॉवसन की आठ साल बाद इंग्लैंड के लिए कोई टेस्ट मैच खेलेंगे। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ 23 जुलाई से मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग-11 घोषित कर दी है। इंग्लैंड ने इस मैच के लिए एक बदलाव किया है और ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की जगह लियाम डॉवसन को मौका दिया है। डॉवसन की आठ साल बाद इंग्लैंड के लिए कोई टेस्ट मैच खेलेंगे। उन्होंने इससे पहले आखिरी बार 2017 में टेस्ट मैच खेला था। इंग्लैंड की टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में फिलहाल 2-1 से आगे चल रही है। इंग्लैंड ने पहला और तीसरा टेस्ट मैट जीता था, जबकि भारत को एजबेस्टन में खेले गए दूसरे टेस्ट में जीत मिली थी। बशीर बाएं हाथ की अंगुली में चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। बशीर को तीसरे टेस्ट मैच के दौरान चोट लगी थी। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान बशीर ने ही भारत का आखिरी विकेट गिराकर इंग्लैंड को जीत दिलाई थी। बशीर के बाहर होने से 35 वर्षीय डॉवसन को मौका मिला। उन्होंने आखिरी बार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जुलाई 2017 में इंग्लैंड के लिए मैच खेला था। डॉवसन काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। अब तक डॉवसन ने तीन टेस्ट मैच खेले हैं और सात विकेट लिए हैं तथा 84 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 66 रन रहा है। भारतीय टीम अब सीरीज में वापसी के लिए बेताब होगी। भारत के लिए हालांकि, मैनचेस्टर की चुनौती आसान नहीं रहने वाली है।

भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग-11 इस प्रकार है... :-

जैक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप (उपकप्तान), जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), लियाम डॉवसन, क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

युवाओं की फिटनेस में गिरावट पर एमएस धोनी ने जताई चिंता, बोले- कई लोग अभी भी खेल नहीं खेलते हैं

खेल एजेंसी

नई दिल्ली। धोनी का एक वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह फिटनेस को लेकर अपनी राय रखते नजर आ रहे हैं। धोनी ने रांची में एक कार्यक्रम में बोलते हुए बताया कि अपनी बेटी के साथ भी वे शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों को शामिल करने का सचेत प्रयास करते हैं। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने भारत में युवाओं की फिटनेस में गिरावट पर चिंता जाहिर की है। रांची में एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने बताया कि अपनी बेटी के साथ भी वे शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों को शामिल करने का सचेत प्रयास करते हैं। 44 साल के धोनी का फिटनेस पर काफी जोर रहा है और वह अभी भी मैदान पर फिट नजर आते हैं। धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था, लेकिन वह अभी भी आईपीएल में खेलते हैं। धोनी इस उम्र में भी विकेट के पीछे काफी तेज रहते हैं और बल्लेबाज को चकमा देने का मौका नहीं छोड़ते हैं। धोनी का एक वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह फिटनेस को लेकर अपनी राय रखते नजर आ रहे हैं। हालांकि धोनी अपनी अनुशासित दिनचर्या के साथ उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने भारतीयों, विशेषकर बच्चों में फिटनेस के स्तर में गिरावट पर चिंता व्यक्त की। धोनी ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, आजकल उम्र कम हो रही है, यानी शारीरिक गतिविधियों की मात्रा कम हो रही है। इसलिए, हम भारतीयों का औसत फिटनेस स्तर कम हो गया है।

फारुख इंजीनियर, क्लाइव लॉयड के नाम ओल्डट्रैफर्ड में स्टैंड होंगे

भारत-इंग्लैंड चौथे टेस्ट में सम्मान मिलेगा; लंकाशायर के लिए फारुख 175 मैच खेलें

खेल एजेंसी

मैनचेस्टर। भारत के पूर्व विकेटकीपर फारुख इंजीनियर और वेस्टइंडीज के दिग्गज कप्तान क्लाइव लॉयड के नाम पर अब इंग्लैंड के ऐतिहासिक ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान में स्टैंड होंगे। यह सम्मान उन्हें उनकी पूर्व काउंटी टीम लंकाशायर द्वारा दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, यह स्टैंड-नामकरण समारोह भारत और इंग्लैंड के बीच 23 जुलाई से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के पहले दिन आयोजित हो सकता है। इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज में फिलहाल 2-1 से आगे है। फारुख इंजीनियर ने 1968 से 1976 के बीच लंकाशायर के लिए 175 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 5942 रन, 429 कैच और 35 स्टंपिंग कीं। उनके आने से पहले लंकाशायर ने 15 सालों में कोई बड़ा खिताब नहीं जीता था, लेकिन उनकी मौजूदगी में टीम ने 1970 से 1975 के बीच गिलेट कप चार बार जीता। दो बार के वर्ल्ड कप विजेता कप्तान क्लाइव लॉयड ने लंकाशायर के साथ करीब दो दशक बिताए और टीम के खेल में क्रांतिकारी बदलाव लाए। वे 1970 के दशक में एक विदेशी खिलाड़ी के रूप में क्लब में शामिल हुए थे। 87 साल के फारुख इंजीनियर ने मैनचेस्टर को ही अपना स्थायी निवास बना लिया है। उन्होंने क्लब की वेबसाइट को एक पुराने इंटरव्यू में बताया था, ओल्ड ट्रैफर्ड एक शानदार जगह थी, लोग हमें देखने के लिए दूर-दूर से आते थे। उन्होंने आगे कहा, ड्रेसिंग रूम से हम वॉरविक रोड रेलवे स्टेशन को देख सकते थे, और मैच से पहले ट्रेनों से भीड़ उतरती थी, उत्साहित आवाजें और हंसी की गूंज सुनाई देती थी। हमारे लॉकर ऑटोग्राफ और पार्टी इन्विटेशन से भरे रहते थे। क्लाइव लॉयड, हैरी पिलिंग, पीटर लेवर और केन शटलवर्थ जैसे नामों से टीम की खूब चर्चा होती थी। हम उस दौर की सबसे फेमस वनडे टीम बन गए थे।दिलचस्प बात यह है कि जहां फारुख इंजीनियर ने भारत में ब्रेबॉर्न स्टेडियम में सबसे ज्यादा क्रिकेट खेला, वहां उनके नाम पर कोई स्टैंड नहीं है। भारत के पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर, जो निजी दौरे पर मैनचेस्टर में हैं, इस समारोह में शामिल हो सकते हैं। क्लब के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

सिराज बोले- बुमराह मैनचेस्टर टेस्ट खेलेंगे

खेल एजेंसी

***मैनचेस्टर।** एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट 23 जुलाई से खेला जाना है। भारत सीरीज में 1-2 से पीछे हैं। टीम को सीरीज जीतने के लिए हर हाल में मैनचेस्टर टेस्ट जीतना ही होगा। पिछले 2 दिनों से चोट की वजह भारतीय टीम परेशान हैं। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए हैं। वहीं अर्शदीप सिंह हाथ में चोट लगने की वजह से चौथे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। पेसर आकाश दीप का भी चौथा टेस्ट खेलना मुश्किल हैं। ऐसे में टीम में शामिल अंशुल कंबोज टेस्ट डेब्यू कर सकते हैं। मैच से 2 दिन पहले मोहम्मद सिराज भारत की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस करने आए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब मोहम्मद सिराज से जसप्रीत बुमराह के खेलने को लेकर पूछा गया तो उन्होंने बोल, जस्सी भाई तो खेलेंगे। बुमराह एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के सेकेंड टॉप विकेट टेकर हैं। उन्होंने 2 मैच खेले हैं और 12 विकेट लिए हैं। जबकि मोहम्मद सिराज 3 मैच में 13 विकेट लेकर टॉप पर हैं। लॉर्ड्स टेस्ट की हार पर सिराज ने कहा, मैं बहुत भावुक हो गया था।*

ब्रीफ न्यूज

भोपाल के न्यू मार्केट में निगम टीम से अभद्रता अतिक्रमण हटाने पहुंची थी टीम

भोपाल। भोपाल के न्यू मार्केट में अतिक्रमण हटाने पहुंची नगर निगम की टीम से अभद्रता करने का मामला सामने आया है। एक दुकानदार ने निगमकर्मियों से अभद्रता की। उसे निगम की बिल्डिंग शाखा ने नोटिस दिया है। न्यू मार्केट में रात साढ़े 8 बजे तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई गई। अतिक्रमण अधिकारी शैलेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि कार्रवाई के दौरान एक ट्रक सामान जब्त किया गया। इस दौरान अतिक्रमणकर्ताओं के साथ विवाद की स्थिति बनी। बालाजी छोले भटूरे वाले द्वारा अवैध निर्माण किया जा रहा था। अवैध निर्माण को रोकने और हटाए जाने की कहने पर दुकान मालिक दीपक अग्रवाल ने अभद्रता की। अतिक्रमण अधिकारी भदौरिया ने बताया कि युवक ने निगम के अधिकारी और कर्मचारियों के साथ अभद्रता की। साथ ही धमकियां भी दी। स्थल पर अतिक्रमण अधिकारी, भवन अनुज्ञा शाखा से बिल्डिंग इंजीनियर, वार्ड-32 से प्रभारी एवं कर्मचारी, जोन प्रभारी और अतिक्रमण अमला मौजूद था। प्रॉपर्टी के पेपर नहीं दिखाने पर भवन अनुज्ञा शाखा से बिल्डिंग इंजीनियर ने नोटिस जारी किया है।

1 अगस्त से शुरू होगा एमपी का पहला लग्जरी वृद्धाश्रम

भोपाल। मध्यप्रदेश का पहला पेड लग्जरी ओल्ड एज होम यानी वृद्धाश्रम 1 अगस्त से भोपाल में शुरू हो रहा है। करीब 26 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किए गए इस वृद्धाश्रम को सीनियर सिटिजन की हर जरूरत को ध्यान में रखकर डिजाइन किया है। बुजुर्गों को यहां कुछ कपड़े और जरूरत की दवा के साथ पहुंचना होगा, बाकी रहने, खाने-पीने के साथ 24×7 मेडिकल की सुविधाएं मिलेंगी। भोपाल के लिंक रोड-3 के पत्रकार कॉलोनी स्थित वृद्धाश्रम की सुविधाएं किसी 5 स्टार होटल जैसी है और इन सुविधाओं के लिए हर व्यक्ति को हर महीने चुकाने होंगे लगभग 50 हजार रुपए। यदि कपल रहना चाहते हैं तो 82 हजार रुपए लगेंगे। वृद्धाश्रम की व्यवस्था और रखरखाव का पूरा जिम्मा सरकार ने सेवा भारती को सौंपा है। इसे नाम दिया है संध्या छाया। ऐसे बुजुर्ग जिनकी उम्र 60 साल से ज्यादा है और वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हैं, वे यहां रहने की पात्रता रखते हैं।

पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की जमानत याचिका पर सुनवाई

जबलपुर। मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी आरटीओ के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा की जमानत याचिका पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। जस्टिस प्रमोद अग्रवाल की कोर्ट ने जमानत पर फैसला सुरक्षित रखा है।आरोपी सौरभ शर्मा बीते 4 फरवरी से न्यायिक अभिरक्षा में है। सौरभ शर्मा के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि शर्मा से अभी तक जितना भी पैसा मिला है, वह पूरा उसका नहीं है। शर्मा के नाम जो संपत्तियां नहीं हैं, उनसे उसका कोई लेना-देना नहीं है। वहीं ईडी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि सौरभ शर्मा ने ही संपत्तियां अर्जित करने के बाद अपने दोस्त और रिश्तेदारों के नाम की हैं। सौरभ शर्मा के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि जिस अपराध को लेकर ईडी ने सौरभ शर्मा के खिलाफ कार्रवाई की है, वह उसके खिलाफ नहीं बनता है। उन्होंने लोकायुक्त की जांच पर भी सवाल खड़े किए हैं। यह भी बताया गया कि संपत्तियां सौरभ शर्मा के दोस्तों की हैं।

महापौर ने हाईकोर्ट में यातायात सुधार के लिए दिए सुझाव

इंदौर। इंदौर की बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर साल 2019 में उच्च न्यायालय इंदौर खंडपीठ में लगी जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। महापौर ने अधिवक्ता के रूप में न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति बिनोद कुमार द्विवेदी की डिवीजन बेंच के समक्ष प्रस्तुत होकर पक्ष रखा। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने शहर की यातायात व्यवस्था से जुड़े मामलों में महापौर पुष्यमित्र भार्गव को न्याय मित्र नियुक्त किया है। महापौर भार्गव ने बताया कि न्यायालय ने उन्हें यातायात से जुड़े मुद्दों पर सहयोग के लिए न्याय मित्र के रूप में आमंत्रित किया था। इस दौरान उन्होंने अपने सुझाव और अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि 35 लाख की जनसंख्या और लगभग समान संख्या में वाहनों वाले शहर में नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई के लिए ठोस कदम उठाना आवश्यक है। महापौर ने यह भी कहा कि

भोपाल में पौधारोपण महोत्सव

एक दिन में 4000 पौधे रोपे गए मुख्यमंत्री जी ने की अभियान की शुरुआत

नवनीत एक्सप्रेस रिपोर्टर

भोपाल आज दिनांक 22 जुलाई 2025 दिन मंगलवार को भोजपाल मित्र परिषद भोपाल के तत्वावधान और नगर निगम भोपाल के विशेष सहयोग से एक दिवसीय 4000 वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर, श्यामला हिल्स में किया गया, जहाँ प्रकृति प्रेमियों, स्वयंसेवी संगठनों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में 4000 से अधिक पौधे रोपे गए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे डॉ. मोहन यादव, माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश, माननीय अशोक पांडे, प्रांत संघ संचालक मध्यभारत , माननीय नारायण सिंह कुशवाह, कैबिनेट मंत्री, उद्यानिकी विभाग, म.प्र., भगवान दास सबनानी, विधायक, दक्षिण पश्चिम विधानसभा, मालती राय, महापौर, नगर निगम भोपाल , अमिताभ पांडे डायरेक्टर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल।मुख्यमंत्री जी ने वृक्षारोपण कर अपने उद्बोधन में कहा कि आज जो 4000 पेड़ लगाने का आप सभी ने जो संकल्प लिया है उसमें हम भी आपके साथ है। हम सब मिल कर इस मुहिम में आगे बढ़े और प्रकृति में खुशहाली भरे। हम जानते है कि मध्यप्रदेश वनसंपदा से समृद्ध है। इसे निरंतर बढ़ाने और आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित पर्यावरण देने के लिए पौधरोपण अवश्य करें।इस कार्यक्रम में भोपाल ऑटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन , फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन , म.प्र., संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, जैन पब्लिक स्कूल, डिक्की, सर्च एंड रिसर्च

डेवलपमेंट सोसायटी,अपर्णा फाउंडेशन, न्यू अहिंसा निकेतन शैक्षणिक एवं सामाजिक कल्याण समिति, राष्ट्रीय सेवा योजना, म.प्र.जन अभियान परिषद, नित्य अनंता वेलफेयर सोसायटी, ब्लाइंट किक्रेट एसोसिएशन इंडिया- एमपी चैप्टर भोपाल,मन्नत वेलफेयर सोसायटी, एक्टिव फ्रेंड्स ग्रुप, लॉयन क्लब भोपाल , प्रताप डिस्टेड, साधु वासबानी शिक्षण संस्थान भोपाल, श्री सिरोंजिया अग्रवाल पंचायत समिति भोपाल, व्यावसायी महासंघ, जीवन ग्रुप मध्यप्रदेश एवं वीर सावरकर सेवा समिति , भोपाल हेल्पिंग हेड्स एवं स्कूल, कॉलेज, सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं समेत कई प्रमुख संस्थाओं का सहयोग रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरित भोपाल की संकल्पना को साकार करना रहा। इस अवसर पर छात्रों, स्वयंसेवकों, आम नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों की भागीदारी उल्लेखनीय रही।

आयोजकों का संदेश

कार्यक्रम के आयोजक आशीष जनक (सचिव, भोजपाल मित्र परिषद) एवं आशीष पांडे (अध्यक्ष, भोजपाल मित्र परिषद) ने सभी प्रतिभागियों से कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि यह हमारी भावी पीढ़ियों के लिए एक हरित भविष्य की नींव है। कार्यक्रम के अंत में भोजपाल मित्र परिषद के सदस्य डॉ राजीव जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में हरिओम जटिया जी, राजेश जी दिगम्बर विद्यालय समिति के अध्यक्ष अलोक पंचरत्न,अनुराग पवैया,संतोष ब्रह्मभट्ट, डिक्की से अनिल सिरवैया , पंकज पाटिल इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय से पीआरओ एच.बी.एस. परिहार ,धीर सिंह जी और भोजपाल मित्र परिषद भोपाल के सभी सदस्य और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जबलपुर समेत 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

24 घंटे में 4.5 इंच बारिश की संभावना; चार दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

नगर संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश में 4 दिन से थमा भारी बारिश का दौर सोमवार रात से फिर शुरू हो गया है। भोपाल समेत कई जिलों में देर रात तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने मंगलवार को जबलपुर समेत 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों के दौरान बुरहानपुर, खंडवा, बैतूल, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, सिवनी, इंदौर, देवास, उज्जैन, हरदा, पांढुर्णा, खरगोन और सीहोर जिलों में हल्की बारिश, आंधी चलने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से अगले चार दिन तक भारी बारिश का दौर रहने वाला है। वहीं, मानसून ट्रफ लाइन भी एक्टिव है। दूसरी ओर, 24 जुलाई से बंगाल की खाड़ी में नया लो प्रेशर एरिया (दम दबाव का क्षेत्र) सक्रिय हो रहा है। इसका असर भी प्रदेश में देखने को मिलेगा। 23-24 जुलाई को भी प्रदेश में तेज बारिश का अलर्ट है। मध्यप्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान हल्की बारिश का दौर रहा। भोपाल,

इंदौर-उज्जैन समेत 12 से अधिक जिलों में बारिश हुई। इंदौर-सिवनी में पौन इंच पानी गिर गया। वहीं, सतना और सीधी में आधा इंच से ज्यादा, खजुराहो, उमरिया और बालाघाट के मलाजखंड में करीब आधा इंच बारिश हुई। दमोह, जबलपुर, सागर, रायसेन में भी बारिश का दौर चला। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों के दौरान बुरहानपुर, खंडवा, बैतूल, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, सिवनी, इंदौर, देवास, उज्जैन, हरदा, पांढुर्णा, खरगोन और सीहोर जिलों में हल्की बारिश, आंधी चलने की संभावना जताई है। बता दें कि प्रदेश में इस मानसूनी सीजन में औसत 20.7 इंच बारिश हो चुकी है, जबकि अब तक 13.2 इंच बारिश होनी थी। इस हिसाब से 7.5 इंच बारिश ज्यादा हो चुकी है, जो 57त्न अधिक है। 3 जिले- निवाड़ी, टीकमगढ़ और श्योपुर में तो कोटा पूरा हो चुका है। इन जिलों में सामान्य से 15त्न तक ज्यादा पानी गिर चुका है। ग्वालियर समेत 5 जिलों भी बेहतर स्थिति में है। यहां 80 से 95त्न तक बारिश हो चुकी है। दूसरी ओर, इंदौर और उज्जैन संभाग सबसे पीछे है। इंदौर, उज्जैन, शाजापुर, बुरहानपुर और आगर-मालवा में 10 इंच से भी कम पानी गिरा है। सोमवार को प्रदेश के कई जिलों में मौसम में बदलाव देखने को मिला।

वेबसाइट पर लाइव दिखता रहा वोटिंग स्टेटस

नगर संवाददाता

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयोग ने आज पहली बार जनपद सदस्य के पद के लिए पेपरलेस निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी कराई। इसके लिए आज सुबह से दमोह जिले के एक जनपद सदस्य के लिए वोटिंग कराई जा रही है। इसके साथ ही सागर जिले में चार सरपंच पदों के लिए भी पेपरलेस वोटिंग हो रही है। पेपरलेस वोटिंग को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने जो व्यवस्था की है उसमें सागर और दमोह में हो रहे मतदान की लाइव जानकारी वेबसाइट के जरिए मिल रही है। किस पंचायत के किस मतदान केंद्र के लिए कितना प्रतिशत वोटिंग होती जा रही है, इसकी जानकारी भी लाइव मिलती रही। मतदान तीन बजे थम जाएगा। बताया गया कि सरपंच पद के लिये 49 और जनपद पंचायत सदस्य के 5 पदों के लिये मतदान अभी चल रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव अभिषेक सिंह ने बताया कि सागर जिले की 4 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिये 9 मतदान केन्द्रों और दमोह जिले के वार्ड-16 के जनपद सदस्य के चुनाव के लिये 9 मतदान केन्द्रों में इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीबीएमएस) से मतदान कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव से फिल्मकार श्री अनुपम खेर की भेंट

तन्वी द ग्रेट के विशेष प्रदर्शन के अवसर पर भोपाल आए श्री अनुपम खेर

नगर संवाददाता

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मंगलवार की शाम समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में जाने-माने अभिनेता और फिल्म निर्देशक श्री अनुपम खेर ने भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने श्री अनुपम खेर का अंग वस्त्र से सम्मान किया। श्री अनुपम खेर भोपाल में फिल्म तन्वी द ग्रेट के विशेष प्रदर्शन के अवसर पर आए हैं। इस अवसर पर फिल्म की अभिनेत्री सुश्री शुभांगी दत्त और बाल कलाकार विराज अग्रवाल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने श्री अनुपम खेर को एक श्रेष्ठ उद्देश्य पूर्ण फिल्म के निर्माण के लिए बधाई दी। श्री अनुपम खेर ने मुख्यमंत्री डॉ यादव को अपनी पुस्तक डिफरेंट बट नो लेस भी भेंट की।

दहेज हत्या के फरार तीन आरोपी शाहजहांनाबाद से गिरफ्तार

नगर संवाददाता

भोपाल। शाहजहांनाबाद इलाके की वाजपेयी नगर मल्टी में छिपे दहेज हत्या के तीन फरार आरोपियों को मंगलवार तड़के रायसेन जिले की पुलिस ने दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों में मृतका का सास-ससुर और एक अन्य रिश्तेदार शामिल है। ये सभी रायसेन जिले के बेगमगंज थाने में दर्ज दहेज हत्या के मामले में वांछित थे और फरारी काटते हुए भोपाल में रिश्तेदार के घर पर छिपे हुए थे। जानकारी के मुताबिक, बीते सोमवार देर रात मृतका के पिता शाहजहांनाबाद थाने पहुंचे थे। वे रायसेन के बेगमगंज क्षेत्र के रहने वाले हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी 23 वर्षीय बेटी उरूसा ने करीब 17 दिन पहले जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद बेगमगंज थाने में उरूसा के पति मोहम्मद मुशीर, सास बिल्कीस बी और ससुर मोहम्मद मुकीद के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और हत्या का मामला दर्ज किया गया है। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले उरूसा पर दहेज के लिए मानसिक दबाव बना रहे थे। उसे लगातार ताने दिए जाते थे और प्रताड़ित किया जा रहा था। तंग आकर उरूसा ने जान दे दी।

बाल्यकालीन बीमारियों की रोकथाम और पोषण के लिए शुरू हुआ दस्तक अभियान सह स्टॉप डायरिया कैंपेन

नगर संवाददाता

भोपाल 5 साल तक के बच्चों के लिए 22 जुलाई से दस्तक अभियान की शुरूआत की गई। भोपाल जिले के विभिन्न सत्र स्थलों पर जनप्रतिनिधियों द्वारा अभियान का शुभारंभ किया गया। ये अभियान 16 सितंबर तक संचालित होगा। इस दौरान बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी विभिन्न सेवाएं प्रदान की जाएगी। जिसमें बच्चों में निमोनिया, गंभीर कुपोषण, एनीमिया स्क्रीनिंग, दस्त रोग की पहचान प्रमुख हैं। अभियान के दौरान

बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए विटामिन ए का घोल पिलाया जाएगा। दस्तक अभियान में सघन दस्त नियंत्रण कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है। जिसमें ओ आर एस का पैकेट और जिंक की गोलियां निःशुल्क दी जा रही हैं। परिजनों को दस्त रोग के लक्षणों की जानकारी देकर ओआरएस बनाने की विधि, जिंक के उपयोग एवं फायदों के बारे में जानकारी देने के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस कॉर्नर की स्थापना की गई है। अभियान का फोकस बाल्यकालीन बीमारियों की जल्द पहचान, प्रबंधन एवं आवश्यकता अनुरूप रेफरल पर किया गया है। डिजिटल हिमोग्लोबीनोमीटर से हिमोग्लोबीन की जांच एवं एनीमिया के स्तर के अनुसार प्रोटोकॉल के अनुरूप उपचार दिया जाएगा। महिला एवं बाल विकास के सहयोग से दस्तक अभियान के दौरान मिले गंभीर कुपोषित बच्चों को उपचार के लिए पोषण पुनर्वास केन्द्रों में भर्ती कराया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि अभियान में स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी कार्यकर्ता भोपाल के तीन लाख बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं दे रहे हैं। परिजन अपने बच्चों की रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाने के लिए विटामिन ए जरूर पिलवाएं।

पालकी में भगवान श्री चन्द्रमोलेश्वर व श्री मनमहेश हाथी पर

मुख्यमंत्री सोमवार को महाकाल की श्रावण माह की दूसरी सवारी में हुए शामिल

नगर संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को भगवान महाकाल की श्रावण माह की दूसरी सवारी में शामिल हुए। भगवान श्री महाकालेश्वर पालकी में श्री चन्द्रमोलेश्वर के रूप में तथा हाथी पर श्री मनमहेश के स्वरूप में विराजित होकर अपने भक्तों को दर्शन देने और अपनी प्रजा का कुशल-मंगल जानने नगर भ्रमण पर निकले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सवारी निकलने के पूर्व सभा मंडप में पालकी का पूजन-अर्चन किया। सर्वप्रथम भगवान श्री महाकालेश्वर भगवान का षोडशोपचार से पूजन-अर्चन कर आरती की गई। भगवान श्रीमहाकाल की सवारी धूमधाम से निकाली गई जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर 08 जनजातीय दलों के द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संपूर्ण सवारी मार्ग पर बाबा महाकाल की आराधना और भजन-कीर्तन करते हुए नंगे पांव चले। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालुहेडा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, श्री संजय अग्रवाल आदि ने भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन-अर्चन किया और आरती में सम्मिलित हुए। भगवान श्री महाकालेश्वर की दूसरी सवारी के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव पूरे सवारी मार्ग पर डमरु और झांझ मंजीरे बजाते हुए पैदल चले। स्कूली विद्यार्थियों द्वारा घोष वादन किया गया और श्रध्दालुओं के भोले शंभु भोलेनाथ के जयकारों से संपूर्ण उज्जैन नगरी गुंजायमान हुई। सवारी के दौरान रोगी को ले जा रही एम्बुलेन्स को सवारी मार्ग के बीच से निकलने के लिए श्रध्दालुओं द्वारा ढाबा रोड व कमरी मार्ग पर रास्ता प्रदान किया गया। सम्पूर्ण सवारी मार्ग में श्रद्धालुओं ने जय श्री महाकाल के उद्घोष के साथ पुष्प वर्षा की। भगवान श्री चन्द्रमोलेश्वर पालकी में सवार होकर अपनी प्रजा का हाल जानने और भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकले। पालकी जैसे ही श्री महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में सवार श्री चन्द्रमोलेश्वर भगवान को सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दिया गया। सवारी मार्ग में श्रद्धालुओं ने जय श्री महाकाल के घोष के साथ अवन्तिका नगरी के राजाधिराज पालकी में विराजित भगवान श्री चन्द्रमोलेश्वर व हाथी पर आरूढ़ भगवान श्री मनमहेश पर पुष्पवर्षा की।

हमीदिया अस्पताल, कॉलेज-स्कूल राष्ट्रभक्तों के नाम से हो

नगर संवाददाता

भोपाल। भोपाल नगर निगम परिषद की 24 जुलाई को होने वाली बैठक में नाम बदलने को लेकर दो प्रस्ताव आएंगे। एक पुराने अशोका गार्डन का नाम %राम बाग% और दूसरा विवेकानंद पार्क के पास के चौराहे का नाम विवेकानंद चौक करना है। इस बीच राजधानी में अस्पताल, कॉलेज और स्कूल के नाम बदलने को लेकर सियासत भी तेज हो गई है। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने हमीदिया अस्पताल, कॉलेज और स्कूल का नाम बदलने की मांग की है। उनका कहना है कि इसके लिए वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिख चुके हैं। अब व्यक्तिगत रूप से भी मिलूंगा और नाम बदले जाने की मांग करुंगा। नाम बदलने के मुद्दे पर दैनिक भास्कर ने निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी से बात की और जाना कि आखिर उन्होंने यह मांग क्यों उठाई? निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने सीएम को लिखे पत्र में नवाब हमीउल्ला के नाम से भोपाल में संचालित हमीदिया अस्पताल, कॉलेज और स्कूल का नाम बदलकर राष्ट्रभक्तों के नाम से किए जाने की मांग की।

स्वत्वाधिकार, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक महेन्द्र तिवारी द्वारा तिवारी आर्ट्स हाउस नं. 59, जी-सैक्टर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अयोध्या नगर भोपाल से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रबंधक संपादक धैर्यवर्धन शर्मा
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।, मो. 9074692488, 9340719851. Email - navneet.expresss33@.com पीआर.बी. एक्ट के तहत खबरों के लिये जिम्मेदार- RNI-MPHIN/2016/71355